जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

उदयपुर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर, मंगलवार 8 अक्टूबर, 2024

MARUTI SUZUKI

NEXA

NINE NIGHTS.
ENDLESS INSPIRATIONS.

Celebrate the spirit of Navratri with NEXA's premium range of cars.

CREATE. INSPIRE.

3 years 100 000 km WARRANTY*
EXTENDABLE UPTO 6 YEARS

NEXA 9TH ANNIVERSARY

VISIT YOUR NEAREST NEXA DEALERSHIP TO GET EXCITING OFFERS UP TO ₹ 1 00 000*

Scan to explore NEXA World | Scan to chat on WhatsApp

UDAIPUR: NEXA CENTRAL UDAIPUR (NAVNEET MOTORS PH: 7665016580), **NEXA GOVERDHAN VILAS** (TECHNOY MOTORS PH: 8306300695),
BANSWARA: NEXA BANSWARA CENTRAL (NAVNEET MOTORS PH: 9376240719), **RAJSAMAND: NEXA RAJNAGAR** (TECHNOY MOTORS PH: 9251988300).

Contact us at **1800-200-[6392], 1800-102-[NEXA]** and visit **www.nexaexperience.com** to book online.

Terms & conditions apply. Features and accessories shown may not be part of standard fitment. Black glass shade on the vehicle is due to the lighting effect. Images used are for illustration purposes only. All offers are brought to you by NEXA dealers only. Offers may vary subject to the model and variant purchased. Maruti Suzuki reserves the right to withdraw offers at any point in time without any advance notice. All offers are applicable till 31st October '24 or till stocks last. Maruti Suzuki Smart Finance is now available pan-India. Maruti Suzuki Subscribe available only in selected cities. *3 years or 100 000 km whichever is earlier.

विचार बिन्दु

एकता का किला सबसे सुदृढ होता है। उसके भीतर रह कर कोई भी प्राणी असुरक्षा अनुभव नहीं करता। –अज्ञात

बिना दोष सिद्धि के, जेल में बंद हैं हजारों लोग

भारतीय जेलों में बंद कैदी तीन श्रेणी के हैं। पहले वह जिनके ऊपर पुलिस, सीबीआई, ई डी अथवा अन्य किसी एजेंसी में एफ आई आर दर्ज है और उसकी जांच जारी है। संबंधित मजिस्ट्रेट के पास अभियुक्त को गिरफ्तारी के बाद 24 घंटे में प्रस्तुत करना अनिवार्य है। यदि न्यायालय उचित समझे तो उसे न्यायालय द्वारा न्यायिक हिरासत में भेजा जाता है। यह अवधि सामान्यतया 15 दिन की होती है किंतु कई बार बहुत लंबी भी हो जाती है।

दूसरे, वे होते हैं, जिनके ऊपर अभियोजन द्वारा आरोप पत्र न्यायालय में प्रस्तुत कर दिया जाता है और उन पर न्यायालय में सुनवाई जारी रहती है। इन्हें हम 'अंडर ट्रायल' के नाम से जानते हैं। इनमें भी कुछ लोगों को जमानत मिल जाती है और कई जेल में ही लंबे समय तक बंद रहते हैं। कुछ प्रकरणों में तो ऐसे भी होते हैं जो अपराध की अधिकतम सजा पूरी होने के बाद भी जेल में ही रहते हैं क्योंकि न्यायालय से निर्णय नहीं होता है।

तीसरे वह होते हैं, जिन्हें न्यायालय द्वारा दोषी पाए जाने के पश्चात सजा दी जाती है। वे सजा की अवधि पूरी होने तक जेल में बंद रहते हैं। इन्हें कभी कभी आवश्यक निजी कारणों से 15 दिन की पैरोल मिल जाती है।

भारतीय जेल में अधिकतम 4.36 लाख कैदियों को रखने की क्षमता है, जबकि वर्तमान में 5.73 लाख कैदी जेल में बंद है। इसका अर्थ यह हुआ की जेलों में क्षमता से 30 प्रतिशत अधिक व्यक्ति जेलों में इस समय बंद हैं। जेल में बंद व्यक्तियों में 4.34 लाख अंडरट्रायल्स हैं, अर्थात जेल में बंद कैदियों में 76 प्रतिशत वे कैदी हैं जिनके प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन हैं और उनका अपराध सिद्ध नहीं हुआ है। इनमें से अधिकांश निम्न आय वर्ग या निम्न मध्यम आय वर्ग के हैं। बंद कैदियों में महिलाओं की संख्या लगभग 20000 है एवं शेष पुरुष हैं। यह स्थिति स्वस्थ लोकतंत्र के लिए अच्छी नहीं कही जा सकती। ऐसी ही स्थितियों के लिए कहा गया है कि प्रक्रिया ही सजा से अधिक कष्टप्रद हो जाती है।

जेल में बंद व्यक्ति वोट नहीं दे सकते, किंतु चुनाव लड़ सकते हैं। इसका अर्थ यह कि लगभग 4 लाख से अधिक मतदाता मतदान के अधिकार से वंचित रहते हैं, जबकि उन पर कोई आरोप सिद्ध नहीं हुआ है। गंभीर आरोप सिद्ध होने पर सजा भुगत रहे अपराधियों तक को अपील होने पर जमानत मिल जाती है। इसके अतिरिक्त उन्हें कई बार निजी कार्यों से पैरोल भी मिल जाती है, जो एक बार में 15 दिन की होती है। हाल ही में बाबा गुरमीत राम रहीम, जो कि हत्या और बलात्कार के आरोप में आजीवन कारावास भुगत रहे हैं, को सातवीं बार पैरोल दी गई है। यह केवल मात्र संयोग नहीं है कि बाबा राम रहीम को किसी चुनाव के पहले ही पेरोल दी जाती है। स्पष्ट है, सत्ताधारी दल अपराधी बाबाओं का भी चुनावी लाभ उठाने से नहीं चूकता है।

एक ओर जहां सजा याफ़्ता अपराधी व्यक्तियों को पैरोल या जमानत पर कई बार छोड़ दिया जाता है, वहीं ऐसे व्यक्ति भी जेल में बंद हैं, जिन पर अभी तक मुकदमा न्यायालय में प्रारंभ ही नहीं हुआ। ऐसे व्यक्तियों में कई तो ऐसे हैं जिन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा कानून या यू ए पी ए के अंतर्गत जेल में बंद किया गया है। ऐसे प्रकरणों में सामान्यतया न्यायालय से भी जमानत नहीं मिलती। जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी का शोध छात्र उमर खालिद सन् 2020 से जेल में बंद है उस पर अभी तक न्यायालय में सुनवाई प्रारंभ भी नहीं हुई है। यू ए पी ए के अंतर्गत दिल्ली पुलिस उसे दिल्ली दंगों के दौरान गिरफ्तार किया था। इसके जमानत के प्रार्थना पत्र पर तीन बार न्यायालय में पूरी सुनवाई हो चुकी थी किंतु तीनों ही बार न्यायालय के निर्णय से पूर्व न्यायाधीश का तबादला होने से उसके प्रार्थना पत्र पर अभी तक निर्णय नहीं हो पाया है। इसलिए वह बिना आरोप पत्र के ही चार साल से जेल में बंद है। अब फिर एक बार इसकी सुनवाई दोबारा प्रारंभ होगी। यह कितनी बड़ी विडंबना है कि जिस व्यक्ति पर जांच एजेंसी अभी तक आरोप पत्र ही न्यायालय में दाखिल नहीं कर पाई उसे जेल में चार साल से बंद रहना पड़ रहा है। यदि वास्तव में उसके ऊपर कोई आरोप बनता तो अब तक जांच एजेंसी, अभियोजन के माध्यम से उसके विरुद्ध न्यायालय में आरोप पत्र प्रस्तुत कर चुकी होती। यह उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों द्वारा समय-समय पर दिए गए उस फैसले की भावना के भी विरुद्ध है जहां यह कहा जाता है कि जमानत मिलना नियम है एवं जेल में रहना अपवाद। उच्चतम न्यायालय के स्पष्ट निर्णयों और निर्देशों के बावजूद जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी का एक शोध छात्र, चार वर्ष से जेल में बंद है, तो यह सरकार द्वारा न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग ही कहा जाएगा।

न्यायपालिका से अपेक्षा है कि वह जेल में बंद अंडर ट्रायल व्यक्तियों के मुकदमों की प्रभावी समीक्षा करके उनके जमानत के प्रार्थना पत्रों पर प्राथमिकता से निर्णय करे, ताकि जेलों में अनावश्यक दबाव को कम किया जा सके। ऐसा करके कार्यपालिका द्वारा सत्ता का दुरुपयोग करके विरोधियों को प्रताड़ित किए जाने की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने में भी न्यायपालिका सफल होगी।

होना तो यह चाहिए कि जो व्यक्ति दोषी है उस पर तत्काल मुकदमा चलाकर उसे सजा दिलवाई जाए ताकि वह किए की सजा भुगते। केवल किसी पर आरोप लगा देना और उसे जांच के माध्यम से चार साल तक सिद्ध तक न कर पाना, किसी भी नागरिक की स्वतंत्रता का हनन ही कहा जाएगा। न जाने कितने प्रकरण इसी प्रकार के होंगे जिनमें नागरिक अकारण ही जेलों में लंबे समय से बंद हैं। भारतीय संविधान नागरिकों की स्वतंत्रता को बहुत बड़ा मूल अधिकार मानता है और वही अधिकार, न्यायिक प्रक्रिया में अत्यधिक विलंब के कारण लगभग समाप्त सा हो जाता है।

जांच एजेंसी, किस प्रकार सत्ता धारी दल के प्रभाव में आकर, सरकार के खिलाफ विचार व्यक्त करने वालों को प्रताड़ित और परेशान कर सकती है, उसका एक और उदाहरण हाल ही में सामने आया है। एनडीटीवी के संस्थापक प्रणय रॉय और उनकी पत्नी राधिका रॉय पर 2017 में एक मुकदमा सी बी आई द्वारा आई सी आई सी आई बैंक का कर्ज न चुकाने के आरोप में एफ आई आर दर्ज की गई। इसकी जांच सात वर्षों तक करने के पश्चात अब सीबीआई ने यह निष्कर्ष निकाला है कि उनके ऊपर कोई आरोप नहीं बनता है और इसी आधार पर उनके विरुद्ध कार्यवाही बंद कर दी गई है।यह सही है कि अब डॉक्टर प्रणय रॉय और राधिका रॉय पर किसी

प्रकार का कोई आरोप नहीं है, किंतु इतने वर्षों तक उन्हें सी बी आई के माध्यम से जो प्रताडना झेलनी पड़ी, और उनकी प्रतिष्ठा को जो गिराया गया,उसे वापस कैसे लौटाया जा सकेगा? इसी अवधि में उनकी आर्थिक स्थिति इतनी खराब हो चुकी थी कि उन्हें बाध्य होकर अपना चैनल एनडीटीवी गौतम अदानी ग्रुप को बेचना पड़ा। एनडीटीवी एकमात्र ऐसा राष्ट्रीय चैनल था जो सरकार की नीतियों के विरुद्ध बोलने का साहस रखता था, वह भी ऐसे समय में, जब लगभग अन्य सभी मुख्य धारा के चैनल सरकार के महिमा मंडन में लगे हुए थे। सरकार को शायद यह अच्छा नहीं लगा और उन्होंने डॉक्टर प्रणय रॉय और राधिका रॉय को सबक सिखाने की ठानी। उनके विरुद्ध लुक आउट नोटिस जारी किया गया और विदेश जाने वाली फ्लाइट से उड़ान से ठीक पहले उतार दिया गया और विदेश नहीं जाने दिया गया। एनडीटीवी चैनल के अदानी समूह द्वारा खरीदे जाने के पश्चात उसके प्रमुख एंकर रवीश कुमार, श्रीनिवास जैन, निधि राज़दान आदि ने एनडीटीवी चैनल को छोड़ दिया। अब यह चैनल भी अन्य चैनलों की तरह ही सरकार की स्तुति में सम्मिलित हो गया।

भारतीय संविधान की उद्देश्यिका (जैंस्त) यह सुनिश्चित करती है कि प्रत्येक नागरिक को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय मिलेगा. उसे बराबरी और समानता का अवसर मिलेगा। उसे अपने बात कहने की स्वतंत्रता होगी। ऐसे देश में केवल अपनी बात रखने के आधार पर ही अनिश्चित काल के लिए जेल में बंद कर दिया जाए और उसकी जमानत पर ही निर्णय नहीं हो, स्वीकार्य नहीं होना चाहिए। इससे भारत की प्रतिष्ठा अंतरराष्ट्रीय जगत में विपरीत रूप से प्रभावित होती है।

जांच एजेंसियों के दुरुपयोग के कई मामले हमने कुछ समय में देखे हैं। इनमें आम आदमी पार्टी के संजय सिंह, मनीष सिसोदिया, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को लंबे समय तक जेल में बंद रखना सम्मिलित हैं।इन तीनों पर किसी प्रकार का कोई आरोप पत्र भी न्यायालय में प्रस्तुत नहीं किया गया एवं कार्रवाई प्रारंभ ही नहीं हुई, इसके बावजूद इन्हें जेल से बाहर आने में कई माह लग गए। इसी प्रकार झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को भी ई डी द्वारा गिरफ्तार किया गया था किंतु उन्हें भी न्यायालय के आदेश से कुछ समय बाद जमानत मिली। उच्चतम न्यायालय ने इस प्रकार की गिरफ्तारी पर नाराजगी भी व्यक्त की।

दबाव और प्रताड़ना की यह राजनीति कुछ समय तक तो चल सकती है किंतु सत्ताधारियों को यह समझना होगा कि जनता उतनी मूर्ख नहीं है जितनी वे समझते हैं। समय आने पर अपने मत के माध्यम से वे अपना आक्रोश भी व्यक्त करते हैं। न्यायपालिका भी जाने अनजाने इस दमन चक्र में कार्यपालिका की सहायता करती हुई दिखाई देती है। किसी नागरिक के पास न्यायपालिका के पास जाना अंतिम सहारा होता है और वह भी जब कार्यपालिका के साथ खड़ी दिखाई दे तो फिर किसी भी निरपराध नागरिक अथवा जन प्रतिनिधि के पास कोई रास्ता नहीं बचता। राजनैतिक विरोधियों को लंबे समय तक बिना सुनवाई के जेल में बंद रखने से कुछ तात्कालिक राजनीतिक लाभ अवश्य संभव है और कुछ नेता इनमें से टूट कर सत्ता धारी दल के साथ भी आ जाएं किंतु इससे सत्ता धारी दल की साख पर बट्टा तो लगता ही है। यह कहना सही नहीं है कि सत्ता का दुरुपयोग विरोधियों को प्रसारित करने के लिए केवल वर्तमान में ही किया जा रहा है। पूर्व में कांग्रेस शासन काल में भी ऐसा अनेक बार किया गया, यहां तक कि इसे कानूनी जामा पहनाने के लिए आपातकाल तक घोषित कर दिया गया।

न्यायपालिका से अपेक्षा है कि वह जेल में बंद अंडर ट्रायल व्यक्तियों के मुकदमों की प्रभावी समीक्षा करके उनके जमानत के प्रार्थना पत्रों पर प्राथमिकता से निर्णय करे, ताकि जेलों में अनावश्यक दबाव को कम किया जा सके। ऐसा करके कार्यपालिका द्वारा सत्ता का दुरुपयोग करके विरोधियों को प्रताड़ित किए जाने की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने में भी न्यायपालिका सफल होगी।

दुर्भाग्य से, सत्ताधारी दल द्वारा विपक्षी नेताओं को प्रताड़ित करने में जांच एजेंसियां भी प्रमुख भूमिका निभाने में लग गई हैं। इससे इन जांच एजेंसियों की विश्वसनीयता पर भी विपरीत प्रभाव पड़ा है। इस बारे में माननीय उच्चतम न्यायालय ने कई बार कड़ी टिप्पणियां की हैं, किंतु लगता है कि इन एजेंसियों के अधिकारियों ने सरकार के समक्ष समर्पण करना ही स्वयं के भविष्य के लिए श्रेयस्कर समझ लिया है।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

ग्रामीण परिवेश व गांव-कस्बों को सजीव करती थी प्रेमचंदजी की कहानियां व उपन्यास

8 अक्टूबर, प्रेमचन्दजी की 88वीं पुण्यतिथि पर विशेष....

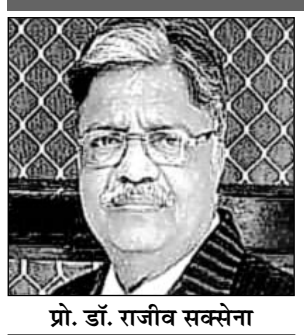

प्रो. डॉ. राजीव सक्सेना

मुंशी प्रेमचंद जी : प्रेमचन्द जी का जन्म 31 जुलाई, 1880 को लमही गांव (वाराणसी-उत्तर प्रदेश) में एक कायस्थ परिवार में हुआ था। उनके पिता का श्री अजायबराय तथा माता का श्रीमति आनन्दी देवी था। प्रेमचंद जी का वास्तविक नाम धनपतराय श्रीवास्तव था। उनकी मृत्यु 8 अक्टूबर, 1936 को 56 वर्ष की अल्पायु में 'जलोदर' रोग द्वारा हुई।

कहानियों के मील का पत्थर भीष्म पितामह, पुरोधा, महा झूमर, सुमेरू पर्वत, जामवन्त, कायस्थ-कुल गौरव रत्न, हिन्दी व उर्दु भाषा के शेक्सपीयर व जन्मजात प्रतिभा युक्त मुंशी प्रेमचन्द जी, जो कि महानतम कहानीकार व उपन्यास सम्राट तथा एक महाकवि थे। सीधी सादी गंभीर बेलोस बेमुरव्वत व बेमोहब्बत, प्रभावी शक्ल के मालिक जिनका नाम धनपत राय भी था जो कि बिल्कुल गंवई, कस्बाई, भुच्च शक्ल व सांवले रंग के मालिक जो सामान्यत बंद गाढ़े का कुर्ता पजामा तथा चमरौधीं जूता पहनते थे जो चर्र-चर्र की आवाज करते थे, एक अलग ही शख्सियत, व्यक्तित्व था जो कि लोगों पर आसानी से हावी हो जाता था। मुंशी जी 31 जुलाई, 1880 को वाराणसी के लमही गाँव में जन्मे थे। परमादरणीय व अति सम्माननीय मुंशी जी की लेखनी हिन्दी व उर्दु दोनों भाषाओं में लाजवाब थी, त्वरित व समान चलती थी व आज भी एक वैश्विक व अन्तराष्ट्रीय पहचान बनी हुई है। प्रेमचन्द जी ने समकालिन व सम-सामयिक व यथार्थ परख जमीनी दुनिया से जुड़े हुए विषयों पर लगभग 300 से ज्यादा कहानियाँ लिखी व 15 के आसपास उपन्यास, 10 अनुवाद, 7 बाल पुस्तकें व तीन नाटक लिखें तथा सैंकडो हजारों पन्नों के लेख संपादकीय, पत्रकारिता लेखन, भूमिका व भाषण लेखन साथ ही साथ काफी सारी रचनाएं व पत्र आदि लिखे, जो कि अपने आप में बेमिसाल तथा बेजोड़ थे। उनकी मुख्य कहानियों में ठाकुर का कुआ, पूस की रात, दो बैलों की कथा, पंच परमेश्वर, कफ़न, बड़े भाई साहब, नशा, बूढ़ी काकी, शतरंज के खिलाड़ी, नमक का दरोगा, ईदगाह तथा मंत्र आदि आदि व उपन्यास, रंग भूमि, गोदान, गबन, सेवासदन, प्रेमाश्रम, कर्मभूमि आदि व आखरी अधूरा लिखित उपन्यास 'मंगलसूत्र' था। ये बात आज भी 100 फीसदी सही है कि भारत की अनुमानत: 76 प्रतिशत आबादी छोटे-छोटे गाँव, कस्बों ढाणियों में बसती विचरती है, आदरणीय प्रेमचन्द जी ने इन्हीं सब पर अपना पूरा साहित्य उड़ेला।

आज उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचन्द जी की 88वीं पुण्यतिथि है। प्रेमचन्द जी की रचनाएं आज भी कालजयी व प्रासांगिक है। उन्हें हिन्दी का शेक्सपीयर यूही नही कहा जाता है। उनकी प्रत्येक रचना, कहानी व उपन्यास हमेशा एक परम्परा व काली सच्चाई के इर्द गिर्द घूमते हैं। उनका असली नाम धनपत राय था व उन्होंने 1901 में उपन्यास लिखना शुरू किया तथा कहानियां लगभग 1907 से लिखना शुरू की। उनकी कहानियों व उपन्यासों में जमकर व तबीयत से लोकोक्तियों, कहावतों, मुहावरों तथा गंवई शब्दों व भाषा का उपयोग होता था।

1910 में स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन के दौरान उनकी कहानी 'सोजेवतन' जब्त कर ली गई तथा उसकी अनेकों प्रतियां फाड़ दी व जला दी गई। उस समय अंग्रेजों के शासन काल में जब लोग कानपुर से प्रसारित होने वाले अखबार में 'रफ्तार-ऐ-जमाना' जैसे कॉलम में वो लिखा करते थे व लोग उसे पढ़कर उनकी सराहना करते थे। अत: वो एक अच्छे पत्रकार व कवि भी थे। उर्दू भाषा में वो नवाबराय के नाम से लिखते थे। उन्होनें हिन्दी कहानियों, उपन्यास, रचनाओं व हिन्दी साहित्य को नये विविधाविविध बहु आयाम दिये। 1923 में उन्होंने सरस्वती प्रेस की स्थापना की व 1930 में 'हंस पत्रिका' का प्रकाशन शुरू किया। साथ ही साथ कई प्रतिष्ठित पत्रिकाओं का संपादन भी किया, उनमें प्रमुखत: हंस, जागरण, मर्यादा तथा माधुरी जैसी पत्रिकाएं भी थी।

लगभग 300 से ज्यादा लिखी कहानियों में आम आदमी की लिजलिजी जिन्दगी, गरीबी-अमीरी व उनकी चुभन, घुटन, प्रतिशोध, कसक, अंधविश्वास, दंभ व घमंड तथा रूढिवादी परंपराओं पर भरपूर प्रहार किया व हरेक जन व पाठकों को सोचने पर मजबूर किया। साथ ही साथ मानवीय मूल्यों को भी सहेज कर रखा जो उनकी कहानियों में स्पष्ट परिलक्षित व प्रभावी होते दिखते है। 1910 की घटना के बाद उनके परम मित्र दयानारायण निगम जो कि 'जमाना' अखबार के संपादक थे, उन्होंने, उन्हें प्रेमचन्द नाम से लिखने की सलाह दी तब उन्होंने नवाबराय नाम के बजाय प्रेमचन्द नाम से लिखना शुरू किया। 20वीं सदी के भारत में 1935 तक, उस दौरान जातिवाद, छुआछुत, संकीर्णता की भावना, साम्प्रादायिक संकीर्णता, ऊँच-नीच का भेदभाव, गरीबों मजदूरों व श्रमिको का शोषण तो चलता ही था तथा इन सबसे अलग व विशेषकर महिलाओं कोहेय व हीनदृष्टि से देखना अपने सर्वोच्चतम शिखर पर था। उस समय अंग्रेजों व फिरंगियों के राज मे अंग्रेज लोग यही सोचते थे कि साहित्य लिखना, समझना व पढ़ना सिर्फ अंग्रेजों को ही आता है या उन्हीं का ये सर्वसिद्ध अधिकार है। इस विषम काल में एक आवाज व लेखनी प्रेमचन्द जी के रूप में ऐसी निकली, जिसकी गूंज आज तक गूंज रही है, लिखी व बोली जिन्होंने पूरे अंग्रेजी राज के साहित्यकारों व लेखकों को हिन्दी में अपनी कहानियां व उपन्यास लिखकर संपूर्ण टक्कर दी व उन्हें सोचने, विचारने पर मजबूर किया। 'पंच परमेश्वर' कहानी में जुम्मन शेख व अलगू चौधरी के माध्यम से सत्य अंहिसा व इंसाफ की जीत को दिखाया ना कि दोस्ती के पक्षपात को। नाटक 'कर्बला' में हिन्दू मुस्लिम शक्ति व एकता का संदेश दिया। प्रेमचन्द जी ने 'निर्मला' उपन्यास में विधवा विवाह का समर्थन किया तो उन्होंने उसे अपने जीवन में उतारा तथा स्वयं का विवाह शिवरानी देवी (जो कि स्वयं एक बाल विधवा थी।) से करके व्यवहार में उसे सिद्ध व लागू किया। उस काल में उन्होंने समसामयिक विषयों पर व सारी प्रचलित समस्याओं व मान्यताओं को सामने रखकर लिखा। 'सेवा सदन' (बाजार-ए-हुस्न), गबन, निर्मला, प्रेमाश्रम, कर्मभूमि, रंगभूमि जैसे अनेकों उपन्यास लिखे, जिनकी आज भी कोई

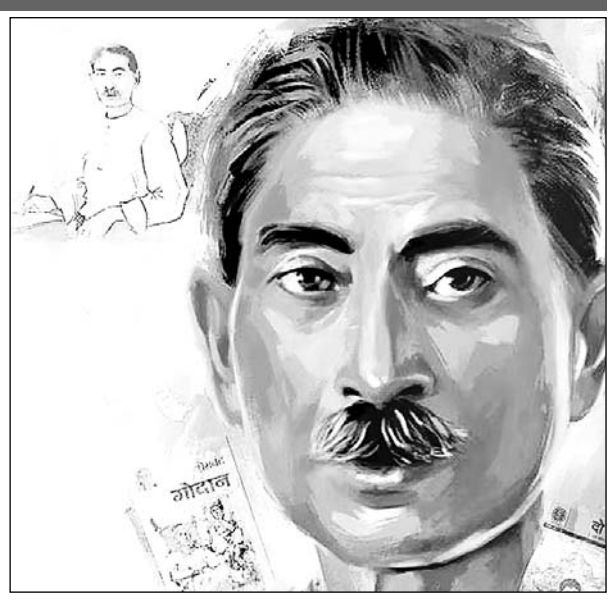

काट नहीं है। 'गोदान' उपन्यास तो पूरे ग्रामीण जीवन व परिवेश तथा रूढिवादी प्राचीन परंपराओं को दर्शाता, दिखाता है। उन्होंने सामाजिक कुरूतियों, अंधविश्वास व ग्रामीण समस्याओं से निकलकर लोगों को अपनी लेखनी के माध्यम से बताया, समझाया व लोहा मनवाया। प्रेमचन्द जी संभवत: सदी के प्रथम ऐसे रचनाकार व साहित्यकार थे, जिन्होंने उपन्यास, कहानी व कथा लेखन को कपोल-कल्पित कल्पनाओं तथा कल्पनालोक के प्रभाव से निकलकर व लोगों को निकालकर आमजनों को वास्तविकता व जमीनी हकीकतोंव विशुद्ध यथार्थ से अवगत करवाया। उन्होंने सरल, सहज व सामान्य, जन साधारण वेशभूषा का उपयोग किया व उन्हें अपने प्रयोग में लाये। उपन्यास के क्षेत्र में उनके विशिष्ट योगदान को देखते हुए, बंगाल के योग्य, प्रख्यात व लब्ध प्रतिष्ठित उपन्यासकार शरदचन्द्र चट्टोपाध्याय ने उन्हें 'उपन्यास-सम्राट' कहकर संबोधित किया। कहानी 'मंत्र' ये दर्शाती है कि कभी भी अपने चिकित्सकीय पेशे व पैसे का घमंड़ नहीं करें हो सकता है आपको भी कभी गरीब 'भगत' जैसे आदमी से मदद लेनी पड़े।

1930 के आस पास उनका गांधीवाद से मोहभंग हो गया। 'गोदान' इसका सशक्त उदाहरण है इसमें किसान के शोषण, गरीबी तथा उसकी दुर्दशा का ऐसा भयावह चित्रण किया है कि अंत में किसान पात्र 'होरी' की मृत्यु ने पाठकों के अर्न्तमन को अंदर तक झकझोर दिया। कहानी 'ईदगाह' के माध्यम से प्रेमचन्द जी ने यह संदेश दिया कि गरीबी बच्चों को उम्र से पूर्व ही बड़ा बना देती है। असल में व अंत में यह कहना अतिश्योक्ति नहीं होगा कि प्रेमचन्द जी कहानी, कविता, पत्रकारिता, संपादन व लेखन क्षेत्र तथा उपन्यास लिखने के संबंध में वे साहित्य का हिमालय व सुमेरू पर्वत थे जिनकी समस्त रचनाएं कालजयी है व वे आज भी बेजोड़ है, चंद पन्नों व पंक्तियों में उन्हें व उनके साहित्य को पूर्णरूपेण समेटना मुश्किल ही नही नामुमकिन है। नकी मृत्यु 8 अक्टूबर, 1936 को 56 वर्ष की अल्प आयु में 'जलोदर' रोग के द्वारा हुई। वे हमेशा आडम्बर व दिखावे से दूर रहते थे तथा अपना काम खुद करना पसन्द करते थे, अगर वे 35-40 वर्ष और जीते तो एसे महाकाव्य, उपन्यास लिख जाते जिनकी कल्पना करना, काफी अतीत से परे व कठिन है। उनकी पुण्यतिथि पर उन्हें सहस्त्र कोटि नमन।

प्रो. डॉ. राजीव सक्सेना, जो कि वर्तमान में स्वास्थ्य कल्याण होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं रिसर्च सेन्टर में वरिष्ठ आचार्य व होम्योपैथिक चिकित्सक है तथा वरिष्ठ कवि व साहित्यकार है।

प्रो. डॉ. राजीव सक्सेना

गुगोर गांव स्थित मां बीजासन मंदिर राजस्थान एवं मध्यप्रदेश के भक्तों की आस्था का केंद्र

गुगोर स्थित बीजासन माता।

- **चमत्कारिक रूप से पार्वती नदी के तट पर प्रकट हुई थी बीजासन माता, पहले किले में विराजती थीं बीजासन माता**
- **नवरात्र पर इन दिनों मां बीजासन मंदिर में दूर-दूर से श्रद्धालु माता के दर्शन करने के लिए पहुंच रहे हैं**

छबड़ा, (निसं)। कस्बे से आठ किलोमीटर दूर राजस्थान एवं मध्यप्रदेश की सीमा पर गांव गुगोर स्थित मां बीजासन मंदिर दोनों राज्यों के भक्तो का आस्था का केंद्र है। यूं तो कस्बे सहित जिलेभर में कई धार्मिक स्थल हैं, लेकिन बीजासन माता मंदिर प्रमुख धार्मिक स्थल हैं। भक्त यहां सच्ची श्रद्धा से जो भी मन्नत मांगते हैं, वो बीजासन माता के आशीर्वाद से पूरी हो जाती है। नवरात्र पर इन दिनों यहां दूर-दूर से श्रद्धालु माता के दर्शन करने के लिए पहुंच रहे हैं।

ग्रामीणों में यह मान्यता है कि बीजासन माता पहले गुगोर स्थित किले में विराजती थी। किले में आज भी इनका मंदिर हैं, जो वीरान और खाली है। श्रद्धालुओं का मानना है कि प्राचीन समय में बीजासन माता यहां से नाराज होकर चमत्कारिक रूप से पार्वती नदी के तट पर प्रकट हुई थी। श्रद्धालुओं ने जन सहयोग से यहां माता की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा कर मंदिर निर्माण कराया था। तब से ही यहां राजस्थान ही नहीं मध्यप्रदेश से भी श्रद्धालु भक्ति भाव से माता के दर्शन करने के लिए पहुंचते हैं। वहीं, अभी वर्तमान मे प्रवेष द्वार सहित मुख्य द्वार का कार्य निर्माणाधीन है। पूर्व में पार्वती नदी की पुलिया पर पानी की आवक होने के कारण मध्यप्रदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को समस्याओं का सामना करना पड़ता था। लेकिन मां बिजासन में इनकी आस्था इतनी थी कि यह लोग पार्वती नदी को ट्यूब में बैठकर पारकर माता के दर्शन करने के लिए पहुंचते थे। लेकिन इस नदी पर 16 करोड़ रुपए की लागत से ओवरब्रिज बनने के बाद आवागमन अब आसान हो गया हैं। एमपी के भक्त अब माता के दर पर आसानी से पहुंच सकते हैं। यहां प्रतिवर्ष बसंत पंचमी के अवसर पर पंचायत के तत्वावधान में भव्य पाक्षिक मेले का आयोजन किया जाता है। इस मेले में राजस्थान, मध्य प्रदेश सहित कई राज्यों से प्रतिदिन हजारों भक्त आते हैं। लम्बी-लम्बी कतारों में लग भक्त माता के दर्शन और पूजा कर मनौती मांगते हैं।

जंगली जानवर के हमले से युवती घायल

- **अज्ञात जंगली जानवर खेत की ओर भाग गया, युवती को अस्पताल में भर्ती कराया**

झुंझुनूं, (निसं)। नवलगढ़ क्षेत्र में इन दिनों आदमखोर जंगली जानवर के आंतक से लोग परेशान हैं। रविवार रात्रि को भ्रमण कर रही एक युवती पर भी अज्ञात जंगली जानवर ने हमला बोल दिया।

जानकारी के मुताबिक ढिगाल के पास स्वामी की ढाणी निवासी सुमन रात को खाना खाने के बाद घर के बाहर टहल रही थी। टहलते समय अचानक से एक जंगली जानवर ने उस पर हमला बोल दिया। यह देख वह चिल्लाने लगी तो उसकी बहन रेणु भागकर आई और उसकी जान बचाई। इतने में अज्ञात जंगली जानवर खेत की ओर भाग गया। हालांकि जंगली जानवर ने सुमन को जगह-जगह से काट डाला। जिससे वह पुरी तरह से घायल हो गई। जिसको परिजनों ने अस्पताल पहुंचाया। इधर घायल सुमन का कहना है कि इस संबंध में जब उन्होंने वन विभाग को सूचना दी तो उन्होंने कहा कि अभी रात्रिकालीन समय में हम कैसे पकड़पाएंगे।

किसी जानवर को सुबह आकर देखते हैं। लेकिन घटना घटने के बाद भी दोपहर तक वन विभाग की टीम नहीं पहुंची। इधर क्षेत्र में रोज-रोज अज्ञात जंगली जानवरों के शिकार हो रहे पशुओं व लोगों में भय बना हुआ है। लेकिन झुंझुनूं वन विभाग इस आदमखोर जंगली जानवर को पकड़ने में पुरी तरह से विफल नजर आ रहा है।

राशिफल मंगलवार 8 अक्टूबर, 2024

पंडित अनिल शर्मा

अश्विन मास, शुक्ल पक्ष, पंचमी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2081, ज्येष्ठा नक्षत्र रात्रि 4:08 तक, आयुष्मान योग प्रात: 6:31 तक, बालव करण दिन 11:18 तक, चन्द्रमा रात्रि 4:08 से धनु राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-वृश्चिक, मंगल-मिथुन, बुध-कन्या, गुरू-वृष, शुक्र-तुला, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज रवियोग रात्रि 4:08 तक है। कुमार योग रात्रि 4:08 से आरम्भ होगा। आज नाग पंचमी है और वायु सेना दिवस है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:21 से 10:47 तक, लाभ-अमृत 10:47 से 1:41 तक, शुभ 3:08 से 4:35 तक।

राहूकाल: 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 6:27, सूर्यास्त 6:02

मेष
पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

सिंह
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। परिवार में आपसी अनबन मतभेद बढ़ सकते हैं। नौकरीपेशा व्यक्तियों को उच्चाधिकारियों की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।

धनु
आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। आज मन में असंतोष बना रहेगा।

वृष
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी और व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों पर नियंत्रण रहेगा। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

मकर
आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी।

मिथुन
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

तुला
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

वृश्चिक
व्यावसायिक आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा है। चलते कार्यों में प्रगति होगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आय में वृद्धि होगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

मीन
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर

Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 31 संख्याः 336 प्रभात उदयपुर, मंगलवार 8 अक्टूबर, 2024 आर.जे. 7202 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

पंजाब में दलित मु.मंत्री परीक्षण फेल होने के बाद राहुल सैलजा को मौका नहीं देंगे हरियाणा में

जैसा कि विदित ही है, पंजाब में कांग्रेस ने दलित नेता चन्नी को मु.मंत्री बनाया था, पर, अगले विधानसभा चुनाव में पावरफुल जाट सिख मतदाताओं ने कांग्रेस का पत्ता साफ कर दिया था

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर। हरियाणा तथा जम्मू और कश्मीर विधानसभा चुनावों के परिणाम कल सुबह आने शुरु हो जाएंगे।

हरियाणा में कांग्रेस दस वर्षों के अंतराल के बाद सत्ता में वापस आने को तैयार लग रही है।

मुख्यमंत्री सीट पर भूपेन्द्र सिंह हूडा के आने की संभावना है, जिन्होंने अपने आपको राज्य के अगले मुख्यमंत्री के रूप में पेश किया था।

सारे संकेत यही हैं कि गांधी परिवार का उन्हें पूर्ण समर्थन प्राप्त है और उन्होंने ही हूडा को खुली छूट दी थी।

यद्यपि लोकसभा सांसद कुमारी सैलजा ने खुद को दलित चेहरे के रूप में पेश किया जो मुख्यमंत्री बनाए जाने का मौका चाहती हैं। उन्होंने पार्टी की जड़ें खोदने की कोशिशें इस हद तक की कि भाजपा ने उनकी बगावत का हवाला देकर बताया कि कांग्रेस में भारी अंतर्कलह है।

- **अतः गांधी परिवार हरियाणा में दलित चेहरे को मु.मंत्री के रूप में प्रस्तुत करने के बजाय, भूपेन्द्र सिंह हूडा को मु.मंत्री बनाने की इच्छा रखता है। यह उस समय ही उजागर हो गया, जब कांग्रेस के टिकट वितरण व चुनाव संचालन में हूडा को ''फ्री'' हैण्ड दिया था।**
- **जम्मू-कश्मीर में पांच मनोनीत विधायकों, जो पाक अधिकृत कश्मीर का प्रतिनिधित्व करेंगे, का विधानसभा में, चयन महत्वपूर्ण हो गया है। अगर राज्यपाल उनका अभी तुरन्त प्रभाव से मनोनयन करेंगे तो विधानसभा में उनका मतदान करना जायज़ होगा या नहीं, यह एक बहस का मुद्दा है। अगर, नयी सरकार के गठन के बाद, उनका मनोययन होता है तो नयी सरकार उनका मनोनयन करेगी और उनके द्वारा विधानसभा में मतदान विवादित नहीं होगा।**

पंजाब, जहां राहुल ने दलित मुख्यमंत्री चन्नी को आगे बढ़ाया था, में दलित चेहरे का प्रयोग असफल हो गया था, यहाँ चन्नी के आने के बाद जट सिख नाराज़ हो गए और राज्य में कांग्रेस का सफाया हो गया था।

इसी प्रकार हरियाणा में भी जाट जिनके पास पैसे की ताकत है और जिनका भारी दबदबा है, वे भी दलित को बतौर मुख्यमंत्री बर्दाश्त नहीं करेंगे।

पंजाब के असफल दलित प्रयोग से राहुल सबक सीख गए हैं और अब राजनैतिक रूप से वे काफी समझदार हो गए हैं।

जम्मू-कश्मीर मे उमर अब्दुल्लाह मुख्यमंत्री की कुर्सी की तरफ बढ़ते नज़र आ रहे है, हालांकि यहां भाजपा सत्ता में आने के लिए पूरा जोर लगा रही है।

गत चुनावों में भाजपा जम्मू से 25 सीटें जीती थी, इस बार भी 2-3 सीटों की घट बढ़ हो सकती है। बहुमत की संख्या 46 है और कोई भी पार्टी भाजपा से गठबंधन नहीं करेगा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नया विवाद ना हो इसलिए सी.एम. ने अदालत से विदेश जाने की अनुमति मांगी

जयपुर, 7 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जिले के अतिरिक्त सत्र न्यायालय क्रम-4 में प्रार्थना पत्र पेश कर 13 अक्टूबर से 25 अक्टूबर तक जर्मनी और इंग्लैंड जाने के लिए अनुमति मांगी है। प्रार्थना पत्र पर अदालत 9 अक्टूबर को सुनवाई करेगी।

मुख्यमंत्री की ओर से अधिवक्ता अश्विनी बोहरा के जरिए प्रार्थना पत्र पेश कर कहा गया कि प्रार्थी के खिलाफ एक मामले में 30 सितंबर 2013 को कोर्ट में चालान पेश किया गया था। यह मामला पिछले 11 साल से पेंडिंग चल रहा है। प्रार्थी प्रदेश के मुख्यमंत्री हैं और उन्हें अक्सर राजकार्य से बाहर जाना पड़ता है। उन्हें ''राइज़िंग राजस्थान'' कार्यक्रम के तहत विदेशी निवेशकों से चर्चा व संवाद और प्रदेश में निवेश के निमंत्रण के लिए इंग्लैंड व जर्मनी की यात्रा करनी प्रस्तावित है। ऐसे में उन्हें राजकार्य के हितार्थ 13 से 25 अक्टूबर तक इंग्लैंड और जर्मनी की यात्रा का

- **गत दिनों मुख्यमंत्री की कोरिया व जापान की यात्रा के समय एक व्यक्ति ने उन के अदालत की अनुमति के बिना विदेश जाने के कारण जमानत रद्द करने का प्रार्थना पत्र पेश किया था।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'पत्रकार द्वारा सरकार की आलोचना अपराध नहीं हैं'

सुप्रीम कोर्ट ने यू.पी. सरकार द्वारा पत्रकार के खिलाफ दर्ज क्रिमिनल केस रद्द करते हुए टिप्पणी की

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर। पत्रकारों को एक बड़ी राहत देते हुए, सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है कि सरकार की आलोचना करने पर पत्रकारों के खिलाफ कोई क्रिमिनल केस दायर नहीं किया जा सकता।

न्यायमूर्ति ऋषिकेश रॉय तथा एस.वी.एन. भट्टी की बैंच ने गत सप्ताह उत्तर प्रदेश पुलिस को एक पत्रकार पर बल प्रयोग करने से रोक दिया, जिसने योगी आदित्यनाथ प्रशासन में महत्वपूर्ण पदों पर अधिकारियों की तैनाती में ''जातीय झुकाव'' के बारे में एक लेख लिखा था।

बैंच ने कहा, ''लोकतन्त्रिक देशों में, विचारों की अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता का सम्मान होता है। पत्रकारों के अधिकार संविधान के अनुच्छेद (191) (1) (ए) के तहत संरक्षित हैं। सिर्फ इसलिए, कि किसी पत्रकार के लेख सरकार की आलोचना माने जा रहे हैं, उस लेखक (पत्रकार) के खिलाफ क्रिमिनल केस दायर नहीं किया जाना चाहिए।''

पत्रकार अभिषेक उपाध्याय, जिनका प्रतिनिधित्व एडवोकेट अनूप प्रकाश अवस्थी कर रहे हैं, ने कहा कि उन्होंने देखा है कि उत्तर प्रदेश पुलिस ने उनके खिलाफ ''भारतीय न्याय संहिता'' के विभिन्न प्रावधानों तथा ''इन्फॉर्मेशन टेक्नॉलॉजी एक्ट'' की धारा 66 (कम्प्यूटर से सम्बन्धित अपराध) के तहत, एक ''सारहीन'' एफ.आई.आर. दर्ज की है।

पत्रकार ने अपनी याचिका में कहा कि एफ.आई.आर. की प्रस्तावना में ही, ''उत्तर प्रदेश के मौजूदा मुख्यमंत्री की तुलना ईश्वर के अवतार से की गई है, इसलिए उनका सामान्य प्रशासन जातीय सोच के किसी भी आलोचनात्मक विश्लेषण से परे है।''

याचिका में कहा गया है कि ''सत्य की सेवा करना, सत्ता को जवाबदेह बनाना तथा किसी भय या पक्षपात के बिना जनता को वस्तुस्थिति की जानकारी देना पत्रकार का कर्तव्य होता है।''

उपाध्याय एफ.आई.आर. को उद्धृत करते हुए कहा, ''माननीय योगी आदित्यनाथ महाराज जी ईश्वर के अवतार की तरह हैं। भारत के विभिन्न राज्यों के सभी मुख्यमन्त्रियों में, कोई भी मुख्यमंत्री लोकप्रियता के मामले में महाराज जी के नजदीक भी नहीं है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर, महाराज जी मुख्यमंत्री की तुलना में सबसे अधिक हैं। चूँकि महाराज जी मुख्यमंत्री बन गये, इसलिए उत्तर प्रदेश कानून-व्यवस्था के मामले में भारत में सर्वोच्च स्थान पर पहुँच गया है। उनके

- **सुप्रीम कोर्ट ने कहा, पत्रकार के अधिकार संविधान के अनुच्छेद 19(1) (ए) के तहत संरक्षित हैं। सिर्फ इसलिए कि पत्रकार के आलेख में सरकार की आलोचना है, उस पर क्रिमिनल केस नहीं बनता।**
- **यह याचिका पत्रकार अभिषेक उपाध्याय ने दायर की थी, जिनके एक आलेख को लेकर यू.पी. पुलिस ने उन पर केस दर्ज किया था।**
- **उपाध्याय ने अपने आलेख में यू.पी. के प्रशासनिक पदों में जाति विशेष के प्रति रूझान होने की बात कही थी।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चामुण्डा मंदिर रोड पर गरबा कार्यक्रम के पास पैंथर देखा गया

ढोल गाँव में सांय 5 बजे ही कर्फ्यू जैसे हालात हो जाते हैं

उदयपुर, 7 अक्टूबर (कासं)। जिले के गोगुंदा-बड़गांव से सटे जंगलों में वन विभाग के शूटर और वन विभाग के कर्मचारी 9 लोगों का शिकार कर चुके आदमखोर पैंथर की तलाश कर रहे हैं। इस इलाके से करीब 30 किलोमीटर दूर नांदेशमा क्षेत्र में चामुंडा माता मंदिर रोड पर रविवार रात एक पैंथर विचरण करता दिखाई दिया है।

पैंथर के मूवमेंट का वीडियो भी सामने आया है। यह वीडियो जसवंतगढ़ से नांदेशमा रोड से गुजर रहे कुछ कार सवारों ने बनाया। वीडियो में पैंथर सड़क पर घूमता नज़र आ रहा है। जिस स्थान पर पैंथर को देखा गया, उससे कुछ ही दूरी पर गरबा कार्यक्रम चल रहा था। कार सवारों ने बताया, वाहनों की लाइट जैसे ही पैंथर की आंखों पर पड़ती, वह झाड़ियों में घुस जाता और फिर वापस सड़क पर आ जाता था।

गोगुंदा में जिस जगह पर वन विभाग की टीम आदमखोर पैंथर को तलाश कर रही है वहां से 10 किलोमीटर दूर रावलिया खुर्द ग्राम पंचायत के चुंडावतों का गुड़ा में पैंथर ने सोमवार दोपहर करीब 12:30 बजे वीरेंद्र सिंह के बाड़े में बंधी दो बकरियों को मार डाला। लोगों ने इसकी सूचना सरपंच हीरा लाल भील और कांग्रेस के नांदेशमा मंडल के अध्यक्ष ओमप्रकाश जोशी को दी और पैंथर को पकड़ने के लिए वन विभाग से पिंजरा लगाने की मांग की। सूचना के बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और पिंजरा लगाया।

- **गरबा कार्यक्रम से कुछ ही दूरी पर कुछ कार सवारों ने पैंथर को सड़क पर घूमते देखा और उसके मूवमैंट का वीडियो भी बनाया। वाहनों की लाइट पड़ते ही पैंथर झाड़ियों में घुस जाता था और फिर वापस सड़क पर आ जाता था।**

गोगुंदा सायरा थाना क्षेत्र के ढोल गांव के लोग पैंथर के डर में जीने को मजबूर हैं। ढोल गांव के आस-पास पैंथर तीन लोगों और गाय, बकरियों का शिकार कर चुका है। ढोल ग्राम पंचायत के सरपंच मोहन लाल गमेती ने कलेक्टर को पत्र लिखकर गांव में पिंजरा लगवाने की मांग की है, लेकिन, अभी तक पिंजरा नहीं लगाया गया है। लोग मवेशियों को जंगल में ले जाने से डर रहे हैं। पशुओं को दिनभर बाड़े में ही रखकर चारा -पानी दे रहे हैं। ग्रामीणों ने आक्रोश जताते हुए कहा, अगर पिंजरा नहीं लगाया जाता है तो सड़क जाम कर प्रदर्शन करेंगे। आदमखोर पैंथर जिंदा है, इसलिए शाम को 5 बजते ही गांव में कर्फ्यू जैसे हालात हो जाते हैं।

जानकारी के अनुसार, उदयपुर-अहमदाबाद हाईवे पर ऋषभदेव के पास एक पैंथर ने दो बछड़ों का शिकार किया है। यहां पर पगल्याजी रिछा गोड घाटा पर कमलेश नाथ पुत्र लक्ष्मण नाथ के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'एस.एम.एस. स्टेडियम का संचालन कैसे हो रहा है'

जयपुर, 7 अक्टूबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने आर.सी.ए. के पूर्व पदाधिकारियों के खिलाफ दर्ज मामले में महाधिवक्ता को 10 अक्टूबर को रिकॉर्ड सहित यह बताने को कहा है कि सरकारी संपत्ति को सोसायटी कैसे चलाती है। इसके अलावा एस.एम.एस. स्टेडियम का संचालन कौन कर रहा है और उसका मालिकाना हक किसके पास है। अदालत ने सरकार को कहा कि कोर्ट जानना चाहता है कि आखिर सरकारी संपत्ति का संचालन इस तरह कैसे होता है। जस्टिस समीर जैन ने यह आदेश आर.सी.ए. के तत्कालीन सचिव भवानी शंकर सामोता सहित अन्य की ओर से पेश आपराधिक याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में आर.सी.ए. की एडहॉक कमेटी की ओर से गत 8 अगस्त को ज्योति नगर थाने में दर्ज एफ.आई.आर. को चुनौती दी गई है।

- **हाई कोर्ट ने महाधिवक्ता को रिकॉर्ड सहित यह बताने को कहा कि सरकारी सम्पत्ति को सोसायटी कैसे चलाती है।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अगर राज्यपाल द्वारा मनोनीत 5 विधानसभा सदस्य को जोड़ें तो विधानसभा 95 सदस्यीय हो जाती है

और, सरकार बनाने के लिए 48 सदस्यों का समर्थन चाहिये जम्मू-कश्मीर में

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर। कांग्रेस और भाजपा हरियाणा और जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों में अपनी-अपनी जीत के बढ़-चढ़ कर दावे कर रहे हैं। ज्ञातव्य है कि इन दोनों ही राज्यों में अधिकृत मतगणना मंगलवार को होनी है।

कांग्रेस जहाँ हरियाणा, में भाजपा के 10 वर्षों के शासन के बाद, सत्ता में लौटने को लेकर आश्वस्त है, वहीं जम्मू-कश्मीर में भी कांग्रेस नेता अपनी बढ़त मानकर चल रहे हैं, हालाँकि वे इस बात को लेकर शंकित भी हैं कि जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल विधानसभा में 5 सदस्य मनोनीत करके परिणामों को उलट भी सकते हैं।

कांग्रेस के अनुसार, जम्मू-कश्मीर विधानसभा के गठन से पहले, लेफ्टिनेंट गवर्नर (एल.जी.) द्वारा 5 विधायकों का मनोनयन लोकतन्त्र पर एक हमला है। जैसे ही एग्ज़िट पोल्स में त्रिशंकु विधानसभा की भविष्यवाणी की, राजनैतिक तनाव पैदा होने शुरू हो गए तथा नामजद सदस्यों के असर को लेकर चिन्ताएं बढ़ने लगीं।

- **भाजपा के 25 सदस्य थे, पिछली विधानसभा में। इस बार दो-तीन सीटों की बढ़त हो सकती है, भाजपा विधायकों की संख्या में।**
- **जम्मू-कश्मीर रीऑर्गनाइज़ेशन एक्ट, 2019, व उसके 26 जुलाई 2023 के संशोधित रूप के अनुसार, राज्यपाल दो और महिलाओं को विधानसभा में मनोनीत कर सकते हैं, अगर राज्यपाल यह महसूस करते हैं कि विधानसभा में महिला विधायकों की संख्या कम है या उपयुक्त नहीं है।**
- **इसके अलावा निर्दलीय व छोटी-छोटी क्षेत्रीय पार्टियों के विधायकों की संख्या 18 आंकी है, एग्ज़िट पोल ने।**
- **अतः विधानसभा के चुनाव के परिणाम आने के बाद जम्मू-कश्मीर में शान्ति का वातावरण शायद न उभरे बल्कि खींचतान काफी दिनों तक बरकरार रहेगी।**

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ये 5 विधायक, जे कश्मीरी विस्थापितों तथा पाक-अधिकृत जम्मू-कश्मीर (पी.ओ.जे.के.) के लोगों का प्रतिनिधित्व करेंगे, को वे सभी विधाई शक्तियाँ तथा विशेषाधिकार प्राप्त होंगे, जो निर्वाचित विधायकों को होते हैं। कांग्रेस पार्टी, जिसने नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ मिलकर चुनाव लड़ा है, ने इस कार्यवाही को लोकतन्त्र तथा संविधान के मूल सिद्धान्तों पर हमला बताया है।

इस मनोनयन प्रक्रिया का उल्लेख जम्मू-कश्मीर रिआर्गनाइज़ेशन एक्ट, 2019 में किया गया है, जिसे 26 जुलाई, 2023 को और संशोधित कर दिया गया था। जैसा कि कहा जा रहा है, अगर विधायक मनोनित किए जाते हैं, तो जम्मू-कश्मीर विधानसभा की सदस्य संख्या बढ़कर 95 हो जायेगी तथा सरकार के गठन के लिए बहुमत की सीमा रेखा बढ़कर 48 हो जाएगी।

''पुनर्गठन अधिनियम'' में विशेष रूप से कहा गया है कि जम्मू-कश्मीर के एल.जी. महिलाओं को प्रतिनिधित्व देने के लिए दो सदस्यों के मनोनित कर सकेंगे, ''अगर उनके विचार से विधानसभा में महिलाओं का प्रतिनिधित्व यथोचित नहीं है।''

तीन हत्यारों को आजीवन कारावास की सजा

जयपुर, 7 अक्टूबर। अतिरिक्त सत्र न्यायालय क्रम-6 महानगर द्वितीय ने आपसी रंजिश के चलते धारदार हथियार से युवक की हत्या करने वाले अभियुक्त फरमान उर्फ चड्डी, मोहम्मद इरफान और सोहेल को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही, पीठासीन अधिकारी बालकृष्ण कटारा ने 20 और 21 वर्षीय इन अभियुक्तों पर कुल 1.53 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

अभियोजन पक्ष की ओर से अपर लोक अभियोजक सत्येन्द्र सिंह ने अदालत को बताया कि 17 सितंबर, 2021 को मोहम्मद नासिर ने गलता गेट थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि बीती रात करीब 11.45 बजे मोहल्ले में रहने वाले फैजान और आरिफ उसके छोटे भाई बिलाल को घायल अवस्था में घर लेकर आये थे। इस दौरान बिलाल की छाती से खून बह रहा था। आदिल ने उसे बताया कि बिलाल और मोहम्मद आदिल के साथ अभियुक्त लड़कों ने झगड़ा किया था। जब उसने बीच बचाव किया तो एक अभियुक्त ने उसके हाथ और पीठ पर चाकू से वार किया, वहीं बाद में अभियुक्त बिलाल की छाती पर चाकू से वार कर वहां से फरार हो गए। तीनों लड़के

- **सितम्बर 2021 में आपसी रंजिश के चलते अभियुक्तों ने बिलाल नामक युवक की चाकू मारकर हत्या की थी।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दिल्ली के फॉरैन प्रैस क्लब में तख्ता पलट

एक गुट ने मीटिंग बुला कर फॉरैन करस्पॉन्डैंट्स क्लब के निर्वाचित पदाधिकारियों को पद से हटा दिया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर। बेहद नाटकीय घटनाक्रम में एक गुट ने फॉरेन करसपॉन्डैंट्स क्लब (एफ.सी.सी.) ऑफ साउथ एशिया के निर्वाचित अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और महासचिव को हटाकर अपनी टीम स्थापित कर ली। गत जुलाई में निर्वाचित पदाधिकारियों को उस मीटिंग का नोटिस तक नहीं दिया गया, जिसमें उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया गया।

जिन पत्रकारों को हटाया गया, उनमें वरिष्ठ पत्रकार एस. वैंकट नारायण भी शामिल थे, जो गत दिनों 92 वर्ष के हुए थे। उपाध्यक्ष सीरिया के वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार वाएल अव्वद और महासचिव प्रकाश नंदा, जो यूरेशियन टाइम्स के वरिष्ठ पत्रकार हैं इन्हें भी हटा दिया गया है।

वैंकट नारायण ने शनिवार को क्लब लॉक कर दिया था। क्लब सुप्रीम कोर्ट के ठीक सामने है। इस पर विरोधी गुट ने एक गुण्डे की मदद ली, जिसे प्रैस क्लब ऑफ इंडिया से निष्कासित किया गया था क्योंकि उसने एक वरिष्ठ पत्रकार व उसके मेहमान, के साथ मारपीट की थी। क्लब सरकारी भवन में है।

संगठन के आठ सदस्यों द्वारा सर्वसम्मति से अविश्वास प्रस्ताव पारित किया गया। उन्होंने दिल्ली में रहने वाली विदेशी मामलों की विश्लेषक सिमरन सोढी को अंतरिम अध्यक्ष और डिप्लोमैट के संवाददाता संजय कुमार को अंतरिम महासचिव बनाया है।

एफ.सी.सी. 500 से ज्यादा पत्रकारों का क्लब है, जिनमें इंडिया, बांग्लादेश, पाकिस्तान, श्रीलंका, भूटान, नेपाल, मालदीव, अफगानिस्तान और तिब्बत को कवर करने वाले पत्रकार शामिल हैं। पदाधिकारियों को अचानक हटाने से स्पष्ट है कि प्रशासनिक मसले पर तनाव होगा, क्योंकि कई सदस्य, जो मीटिंग में मौजूद नहीं थे, ने इस निष्कासन को अवैध ठहराया है। नए अंतरिम महासचिव संजय कुमार ने कहा कि संगठन क्लब के आंतरिक मामलों और चर्चा के बारे में मीडिया से कोई बात नहीं करेगा।

एफ.सी.सी.की मैनजिंग कमेटी में 11 सदस्य हैं, जिनमें अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और महासचिव भी शामिल हैं। लेकिन एफ.सी.सी.के एक कोर मैम्बर ने कहा कि 8 बचे सदस्यों में से चार निर्वाचित हैं, जिन्हें मतदान का अधिकार है तथा चार मनोनीत सदस्य हैं, जिन्हें मतदान का अधिकार नहीं है।

उक्त सदस्य ने नाम गोपनीय रखने की शर्त पर कहा कि शुक्रवार को 8 सदस्यों ने मिलकर पदाधिकारियों को बिना सूचना दिए पद से हटा दिया और कहा कि पदाधिकारी अपना विश्वास खो चुके हैं, इसलिए वे उन्हें हटाकर खुद चार्ज ले रहे हैं। इन सदस्यों ने इस कार्यवाही को अवैध बताया। इस सदस्य का कहना था कि सिर्फ अध्यक्ष ही मीटिंग बुला सकता है, फिर इनका चार निर्वाचित सदस्यों का कोरम भी पूरा नहीं था, क्योंकि इनमें से चार को वोटिंग राइट भी नहीं दिया गया था। ये लोग निर्वाचित सदस्यों को नहीं हटा सकते थे।

एफ.सी.सी. सदस्यों ने गत कुछ माह के घटनाक्रम की जानकारी दी, जिसकी वजह से इस सप्ताह अचानक मैनेजिंग कमेटी की मीटिंग बुलाई गई। उन्होंने बताया कि एफ.सी.सी. इंटरनैशनल एसोसिएशन ऑफ प्रैस क्लब्स का सदस्य है। इसमें 35 देशों के 40 क्लब्स शामिल हैं। हर वर्ष किसी एक देश में आई.ए.पी.सी. का सम्मेलन होता है। गत वर्ष लंदन में हुआ था इस वर्ष नवम्बर में यह सम्मेलन भारत में होना था। दस साल पहले भी भारत में सम्मेलन हुआ था।

लेकिन यूक्रेन व गाज़ा में चल रहे युद्ध को और अमेरिका के चुनावों को देखते हुए तय किया गया कि अगले माह ही मीटिंग बुला ली जाए। इस पर 20 जुलाई को हुई ए.जी.एम. में चर्चा हुई थी। जब सदस्य आते हैं तो वे अपने होटल में रहने का खर्चा खुद उठाते है और सदस्यता शुल्क भी देते हैं। यह तय किया गया था कि मीटिंग के दो दिन बाद सभी को ताजमहल घुमाने ले जाया जाएगा, जिस पर तकरीबन तीन लाख रु. का खर्च आता, ए.जी.एम. में यह जानकारी दे दी गई थी।

मीटिंग, जिसकी वीडियो रिकॉर्डिंग हुई

- **हटाए गए पदाधिकारियों में वरिष्ठ पत्रकार एस. वेंकट नारायण (92) भी शामिल हैं, जो इस क्लब में अध्यक्ष हैं। महासचिव प्रकाश नंदा व उपाध्यक्ष सीरिया के पत्रकार वाएल अव्वाद को भी हटा दिया गया।**
- **इस गुट ने विदेशी मामलों की विश्लेषक सिमरन सोढ़ी को अतंरिम अध्यक्ष और डिप्लौमैट पत्रिका के संवाददाता संजय कुमार को अंतरिम महासचिव बनाया है।**
- **क्लब के एक गुट ने इस कार्यवाही को गैर कानूनी करार दिया और अदालत में जाने का मन बनाया।**
- **क्लब के एक सदस्य ने नाम गोपनीय रखने की शर्त पर बताया कि यह सारा खेल अगले माह होने जा रहे इन्टरनैशनल एसोसिएशन ऑफ प्रैस क्लब के कार्यक्रम की वजह रचा, गया है जिसमें काफी विदेशी पत्रकार भी आएंगे।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भीलवाड़ा : परिवहन विभाग के दस्ते को रिश्वत राशि के साथ पकड़ा

उडनदस्ते के निरीक्षक, वाहन चालक, गार्ड की आकस्मिक जांच में 15 हज़ार 30 रुपए की संदिग्ध राशि पाई गई

भीलवाड़ा/जयपुर, (निसं)। भीलवाड़ा एसीबी की टीम ने नेशनल हाईवे-48 पर परिवहन विभाग के दस्ते को रिश्वत राशि के साथ रंगेहाथों पकड़ा है। ए.सी.बी. मुख्यालय के निर्देश पर ए.सी.बी. की भीलवाड़ा द्वितीय इकाई ने शंभूलाल हाल परिवहन निरीक्षक, कार्यालय जिला परिवहन अधिकारी भीलवाड़ा, अमरदीप हाल वाहन चालक, नीरज कुमार हाल संविदा गार्ड कार्यालय जिला परिवहन अधिकारी भीलवाड़ा के पास आकस्मिक तलाशी में 15 हज़ार तीस रूपये की संदिग्ध राशि पाई गई।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक डॉ. रविप्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि ए.सी.बी. की हेल्पलाइन नंबर 1064 पर परिवादी द्वारा शिकायत दी गई थी कि भीलवाड़ा बाइपास पर उक्त आरोपियों (परिवहन उड़न दस्ते) ने परिवादी की ट्रेलर गाड़ी को रोककर उनसे बिल्टी के कागजात के बदले दस हज़ार रूपये रिश्वत राशि की मांग की गई, जिस पर एसीबी की भीलवाड़ा द्वितीय इकाई के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ब्रजराज सिंह के नेतृत्व में परिवादी की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए उनकी टीम के स.उप निरीक्षक प्रेमराज व अन्य द्वारा आकस्मिक तलाशी की कार्रवाई करते हुए आरोपी शंभूलाल हाल परिवहन निरीक्षक, कार्यालय जिला परिवहन अधिकारी भीलवाड़ा, अमरदीप हाल वाहन चालक, नीरज कुमार हाल संविदा गार्ड कार्यालय जिला परिवहन अधिकारी भीलवाड़ा के पास में 19 हज़ार रूपये की राजकीय राशि के अलावा, 15 हज़ार तीस रूपये की संदिग्ध राशि बरामद की गई है। उक्त राशि के बारे में आरोपियों ने कोई संतोषप्रद जवाब नहीं दिया।

एसीबी के एडिशनल एसपी ब्रजराज सिंह ने बताया कि एसीबी की हेल्पलाइन नंबर पर एक चालक द्वारा शिकायत दी गई कि भीलवाड़ा नेशनल हाईवे पर पुर बाईपास के निकट आरटीओ दस्ते द्वारा उसे रोककर चालान की धमकी देते हुए 10 हजार की रिश्वत की मांग की गई है। शिकायत के आधार पर टीम जब मौके पर पहुंची तो आरटीओ दस्ता वहां से जा चुका था। टीम परिवादी चालक से मामले की जानकारी ले ही रही थी कि इसी दौरान परिवहन दस्त वहां दोबारा आया और उनकी गतिविधियां संदिग्ध लगने पर मुख्यालय के निर्देश पर एसीबी की टीम ने उन्हें पड़कर वाहन की गहनता से जांच की। परिवहन दस्ते से पूछताछ के बाद मामले का खुलासा करते हुए एसीबी एएसपी सिंह ने बताया कि रसीदों के अनुपात में जप्त की गई राशि ज्यादा है जो कि संदिग्ध प्रतीत होती है। ऐसे में भीलवाड़ा एसीबी की टीम ने जयपुर मुख्यालय को सूचित करते हुए अग्रिम कार्रवाई को अंजाम दिया है।

बताया जा रहा है कि एसीबी की टीम ने परिवहन निरीक्षक शंभू लाल उनके चालक और गार्ड को पुर थाने लाकर पूछताछ की। इसके बाद इस पर पूरे मामले का खुलासा हो पाया है। फिलहाल टीम मामले में गहनता से जांच में जुटी हुई है।

भीलवाड़ा एसीबी की टीम ने परिवहन विभाग के दस्ते को रिश्वत राशि के साथ पकड़ा।

- चालान की धमकी देते हुए 10 हजार की रिश्वत की मांग को लेकर एक चालक ने एसीबी को शिकयत की थी

20 हजार की रिश्वत लेते पटवारी गिरफ्तार

पटवारी ने काश्तकार से भूमि की गिरदावरी करने के एवज में पच्चीस हजार रुपए मांगे थे

श्रीगंगानगर, (निसं)। सूरतगढ़ में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टीम ने गांव संगीता के हल्का पटवारी को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। पटवारी मुकेश कुमार ने काश्तकार श्रवणराम से रकबाराज की 46 बीघा भूमि की गिरदावरी करने के एवज में पच्चीस हजार रुपए की रिश्वत की रकम की मांग की थी, तब यह सौदा बीस हजार रुपए में तय हुआ।

एसीबी श्रीगंगानगर के डीवाईएसपी भूपेन्द्र सोनी ने बताया कि संगीता गांव में रकबाराज की कृषि भूमि को काश्तकार श्रवणराम ने वर्ष 1999 में ली थी। इस भूमि की गिरदावरी करने के एवज में हल्का पटवारी मुकेश कुमार ने कई बार चक्कर कटवाए फिर रिश्वत की राशि लानी के लिए दबाव बनाया। ऐसे में अपनी रोज की समस्या का हल निकालने के लिए उसने हल्का पटवारी मुकेश कुमार को रिश्वत की रकम की बजाय सीधे कार्रवाई के लिए आग्रह किया लेकिन वह नहीं माना। ऐसे में काश्तकार श्रवणराम ने एसीबी में शिकायत दी। एसीबी की टीम ने काश्तकार के माध्यम से हल्का पटवारी से संपर्क कराया। हल्का पटवारी ने सोमवार सुबह दस बजे से पहले आकर संपर्क करने की बात कही। पच्चीस हजार रुपए की रिश्वत की बजाय बीस हजार रुपए लेने के लिए हल्का पटवारी मान गया।

काश्तकार ने सूरतगढ़ आकर यह रिश्वत की रकम जैसे ही सौंपी तो पटवारी ने अपनी हाथ में पकड़ ली। इशारा मिलते ही एससीबी की टीम ने हल्का पटवारी को दबोच लिया। पटवारी के हाथ धुलवाएं तो उसके हाथों पर अदृश्य रंग लगा सामने आ गया। पटवारी को रिश्वत लेने के आरोप में रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया गया है। डीवाईएसपी सोनी ने बताया कि पटवारी के आवास के बारे में जानकारी लेकर दबिश दी जाएगी। वहीं एसीबी में पूरी प्रक्रिया से अवगत कराते हुए मामला दर्ज करने की रिपोर्ट भेजी जा रही है।

- पच्चीस हजार की रिश्वत की बजाय बीस हजार रुपए लेने के लिए हल्का पटवारी मान गया
- काश्तकार ने रिश्वत की रकम जैसे ही सौंपी तो पटवारी को एससीबी ने दबोचा

सीमा पार पाकिस्तानी ड्रोन से फिर आई हेरोइन की खेप

ड्रोन से आई दस करोड़ रुपए की दो किलो हेरोइन बरामद की

श्रीगंगानगर, (निसं)। श्रीकरणपुर क्षेत्र में अन्तर्राष्ट्रीय सीमा से सटे गांव 17 सी के खेत में पाकिस्तान से आई दो किलो हेरोइन बरामद की गई है। देर रात पाकिस्तानी ड्रोन भारतीय सीमा में घुसा और इस खेत में कुंडी लगा पैकेट गिराने के बाद वापस लौट गया। इस कुंडी लगे पैकेट का वजन कराया गया तो करीब दो किलो हेरोइन मिली। जिला विशेष टीम और करणपुर पुलिस की संयुक्त टीम ने इस खेत के आसपास एरिया में तलाशी की। वहीं, बीएसएफ अधिकारियों ने भी सर्च अभियान चलाया।

पुलिस अधीक्षक गौरव यादव ने बताया कि जिला विशेष टीम यानि डीएसटी को खुफिया तरीके से पाक से हेरोइन की खेप आने और पंजाब के ड्रग्स माफिया को डिलीवरी होने के इनपुट मिले थे। इस पर डीएसटी के प्रभारी एसआई रामविलास बिश्नोई की अगुवाई में पुलिस दल की फिल्डिंग भी लगाई गई। इस दौरान अल सवेरे सूचना मिली कि देर रात को पाकिस्तान से आए ड्रोन की मूवमेंट हुई है। बॉर्डर से करीब डेढ़ से दो किमी दूरी पर स्थित गांव 17 सी की रोही में खेत में झाड़ियों की तलाश की गई तो वहां हेरोइन से भरा पैकेट बरामद किया गया। करणपुर पुलिस को यह पैकेट सुपुर्द किया गया। इस पैकेट की पैकिंग के ऊपर एक कुंडी लगी हुई हैं, यह ड्रोन से बांधी गई थी। इस पैकेट में करीब दो किलो हेरोइन थी।

इस हेरोइन की अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में करीब दस करोड़ रुपए की कीमत आंकी जा रही है। डीएसटी ने करणपुर पुलिस और बीएसएफ के साथ अन्य जगहों पर भी सर्च ऑपरेशन चलाया। अन्य जगहों पर हेरोइन का पैकेट नहीं मिला। करणपुर थाना पुलिस अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर रही हैं। एसपी ने बताया कि यह हेरोइन की खेप जिन लोगों ने मंगवाई हैं, उनके बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस दल की स्पेशल टीम को ऐसे माफिया को धरपकड़ करने के लिए निर्देश दिए गए है। संभावित लोगों के बारे में पुलिस ने छापेमारी भी की है।

- डीएसटी ने करणपुर पुलिस व बीएसएफ के साथ सर्च ऑपरेशन चलाया

मिनी ट्रक ने बाइक को टक्कर मारी, वृद्ध की मौत

मकराना, (निसं)। शहर में एक तेज रफ्तार मिनी ट्रक ने बाइक को सामने से टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार वृद्ध गंभीर घायल हो गया, जिसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। ग्रामीणों ने ट्रक का पीछा कर उसे रुकवा लिया, लेकिन ड्राइवर फरार हो गया। हादसा दरोगा की ढाणी के पास हुआ।

मिली जानकारी के अनुसार बेनीवालों की ढाणी जूसरी निवासी घासीराम बेनीवाल (60) पुत्र रुघाराम बेनीवाल सोमवार को बाइक पर देवलाजी महाराज मंदिर जा रहा था। इस दौरान दरोगा की ढाणी के पास सामने से आ रहे एक मिनी ट्रक ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे वो गंभीर घायल हो गया।

सूचना मिलने पर एंबुलेंस चालक प्रकाश गावड़िया ने उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस दौरान पुलिस भी अस्पताल पहुंच गई और शव को मॉर्च्यूरी में रखवाया। मृतक घासीराम किसान था और खेतीबाड़ी कर अपना घर चलाता था। उनके दो बेटे और एक बेटी हैं। मकराना पुलिस के सहायक सब इंस्पेक्टर अयूब खान ने बताया कि ट्रक को जब्त कर लिया है।

COLLEGE OF AGRICULTURE
(S.K.N. Agriculture University-Jobner), Baseri, Dholpur (Rajasthan)-328027
No. : F.( )/Dean-COAB/2024/1631 Dated :- 01/10/2024
NOTICE INVITING BID
Bid for open tender regarding hiring manpower (Agriculture Purpose) are invited from interested bidders upto 11 AM, 18.10.2024. other particulars of the bid may be visited on the procurement portal **(http://sppp.raj.nic.in)** of the state or **www.sknau.ac.in** University website. NIB code SKN2425A0177 and UBN is SKN2425SSOB00180 & NIB code SKN2425A0177 and UBN is SKN2425SSOB00181
Raj.Samwad/C/24/6151 DEAN

उदयपुर विकास प्राधिकरण, राजस्थान
No. :- F-2(01)Acct/Contract/2024-25/132-134 Date : 04/10/2024
ई-निविदा संशोधन सूचना
उदयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जारी ई–निविदा सूचना संख्याः 31/2024–25 के निविदा कार्य संख्या– 01 (Providing Computer Operator, Security Guard, Driver and Assistant / Peon with Specified Qualifications in the Udaipur Development Authority.) की तिथियों में अपरिहार्य कारणों से निम्नानुसार संशोधन किया गया है, ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड/अपलोड एवं EMD, Tender Fee & Processing Fee Online दिनांक : 15–10–2024 को सायः 6.00 बजे तक जमा की जा सकेगें एवं दिनांक : 16–10–2024 को प्रातः 11.00 बजे खोली जावेगी। अन्य शर्तें यथावत रहेगी।
राज.संवाद/सी/24/6156 अधिशाषी अभियन्ता - चतुर्थ उदयपुर विकास प्राधिकरण

कार्यालय नगरपालिका मण्डल देई जिला बून्दी (राज0)
क्रमांक :- न.पा.दे./निर्माण शाखा/2024-25/898 दिनांक :- 27/09/2024
अल्पकालिक ई-निविदा सूचना-06/2024-25
नगरपालिका में सक्षम श्रेणी में पंजिकृत व अन्य विभागों के "A" "AA" सिविल श्रेणी पंजीकृत संवेदकों से ई–निविदा पद्धति से निम्नानुसार ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। उक्त निविदा दिनांक 30.09.2024 से पालिका की वेबसाईट **http://sppp.raj.nic.in & http://eproc.rajasthan.gov.in** पर देखी जा सकती हैं। निविदा का NIB Code DLB2425A3003 हैं। कार्य का UBN No. DLB2425WSRC09514 है। निविदा की कुल राशि 29.73 लाख है।
राज.संवाद/सी/24/6184 अध्यक्ष नगरपालिका देई (बून्दी) अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका देई (बून्दी)

कार्यालय नगर निगम, उदयपुर
टाउनहॉल सिक रोड, उदयपुर (राज.) 313001, दूरभाष सं. 0294-2414165, 2421255, 2420013 Helpline no. 0294 2426262, ई-मेल commudr@gmail.com, garage.umc21@gmail.com
क्रमांक :- गलिउ/गैराज/2024-2025/803 दिनांक :- 01/10/2024
(ई-भुगतान) बोली आमन्त्रण सूचना संख्या - ई 10/2024-2025
नगर निगम की गैराज शाखा में उपलब्ध 70 फोर व्हील ऑटो के मेन्युअल संधारण कार्य हेतु (बिना पार्ट्स के) एक वर्ष की दर अनुबन्ध पर ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है जिसकी अनुमानित लागत 24.50 लाख रू. है। बिड से संबंधित विवरण www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध हैं। निविदा की प्रारंभ तिथि 03.10.2024 तथा अंतिम तिथि 09.10.2024 है।
UBN No. : UNP2425SLRC00112
राज.संवाद/सी/24/6167 अधिशाषी अभियन्ता (यांत्रिक) आयुक्त

कार्यालय जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर
क्रमांक :- जोविप्रा/2024-25/EE HQ/1281 दिनांक :- 04/10/2024
ई-निविदा सूचना संख्या - मुख्यालय/25/2024-25
जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर की ओर से प्राधिकरण एवं राजकीय विभाग में उपयुक्त श्रेणी मे पंजीकृत संवेदक जिनका पंजीयन 2 वर्ष की अवधि में पुनरावलोकन (Review) किया हुआ हो से निर्धारित प्रपत्र मे ई–प्रोक्युरमेन्ट प्रक्रिया से ऑन लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। इन कार्य की अनुमानित लागत, निविदा बेचे जाने तथा प्राप्त करने की दिनांक, निविदा, शर्तें आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट **www.jodhpurjda.org, www.eproc.rajasthan.gov.in** एवं **www.sppp.raj.nic.in** पर देखी जा सकती है।
UBN No. : JOD2425WSOB00177 To JOD2425WSOB00180
राज.संवाद/सी/24/6170 अधिशाषी अभियंता

अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर
टोडरमल लेन, सिविल लाईन्स, अजमेर, Email :- ajmerada@gmail.com, Website :- www.rajasthan.gov.in/ada, Tel.No. :- 0145-2627748-2627749
क्रमांक :- अविप्रा/प.2/तकनीकी/2024-25/ दिनांक :- 20/09/2024
ई-निविदा सूचना संख्या 18/2024-25
अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर की ओर से विभिन्न कार्य की अनुमानित लागत राशि 254.93 लाख की ई–निविदा दिनांक 14.10.2024 सांय 06:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेबसाईट **(http://eproc.rajasthan.gov.in)** एवं **(http://sppp.raj.nic.in)** **http://www.urban.rajasthan.gov.in/ada** पर देखा जा सकता है।
UBN No. :- AJD2425WSOB00109-125
राज.संवाद/सी/24/6189 अधिशाषी अभियन्ता अजमेर विकास प्राधिकरण

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, नगर खण्ड बीकानेर
क्रमांक-2078 **ई-निविदा सूचना संख्या- 10/2425** दिनांक-25.09.2024
UBN NO. IS: PWD2425WSOB07094
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से निम्न कार्यों के लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के ए,ए,बी. सी व डी श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। बोली से सम्बन्धित विवरण वेब साईट http://dipr.rajasthan.gov.in व http://pwd.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेब साईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड होना आवश्यक है।

बोलीयों की कुल लागत	-	रू. 120.84 लाख
ऑन लाईन बोली फार्म भरने/अपलोड करने की अवधि	-	26.09.2024, 9.30 बजे से 11.10.2024, 18.00 बजे तक
ऑन लाईन बोली खोलने की तारीख	-	14.10.2024 को 11.00 बजे।

राज्यपाल की आज्ञा से
(राजीव गुप्ता)
अधिशाषी अभियंता
DIPR/C/9420/2024 सा.नि.वि. नगर खण्ड बीकानेर

जयपुर विकास प्राधिकरण
इन्दिरा सर्किल, जवाहरलाल नेहरू मार्ग, जयपुर– 302004
क्रमांकः जविप्रा/अधि.अभि. (विद्युत–I) / जॉब नं. 202/2024–25/डी–538 दिनांकः 04.10.2024
बिड आमंत्रण सूचना
बिड संख्या–08/2024–25
जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा "Electrification & Street Light Works in Niji Khatedar residential scheme Parshvanath Narayan City Vistar, Zone-8, JDA Jaipur" जिसकी अनुमानित राशि रू. 49.21 लाख के लिए ऑनलाईन बिड्स दिनांक 16.10.2024 सायंकाल 6:00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। निविदा बोली का ऑनलाईन आवेदन व भुगतान जयपुर विकास प्राधिकारण पोर्टल पर करने की अन्तिम तिथि 16.10.2024 को सांयकाल 6.00 बजे तक हैं। निविदा बोली के दस्तावेजों का विस्तृत विवरण www.sppp.rajasthan.gov.in, www.eproc.rajasthan.gov.in and www.jda.urban.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
(UBN No. JDA2425WSOB00335)
निविदा में भाग लेने वालो को निम्न शर्तों की पूर्ति करनी होगी:–
1. निविदादाता जयपुर विकास प्राधिकरण की वेबसाईट www.jda.urban.rajasthan.gov.in पर पंजीकृत हो एवं निविदा में भाग लेने के लिए बोलीदाता को आवेदन करने के लिए दस्तावेज शुल्क, अमानत राशि, आर.आई.एस.एल. प्रोसेसिंग शुल्क ऑनलाईन जमा करनी होगी।
2. ऑनलाईन निविदा प्रस्तुत करने के लिए निविदादाताओं का राजस्थान सरकार के ई–प्रोक्यूरमेंट पोर्टल www.eproc.rajasthan.gov.in पर पंजीकृत हो।
अधिशाषी अभियन्ता (विद्युत– I)
राज.संवाद/सी/24/6197 जविप्रा, जयपुर।

'उनके बयान केवल उनकी खिसियाहट दिखलाते हैं'

जोधपुर, (कासं)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने बिना नाम लिए पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि उनके बयान केवल उनकी खिसियाहट दिखलाते हैं। सोमवार को जोधपुर प्रवास पर मीडिया के एक सवाल पर शेखावत ने कहा कि सबको अपने गिरेबान में झांककर देखना चाहिए। राजनीतिक टिप्पणियां करने से पहले अपने पांच साल में किस तरह के हालात थे? किस तरह से राजस्थान में महिलाओं पर अत्याचार कई गुना बढ़े थे? पेपरलीक के बारे में मैंने पहले भी कहा था जिस आदमी की सरकार होते हुए राजस्थान में पेपरलीक के मामले में इतनी सारी घटनाएं हुईं। लगातार वो खुद आगे बढ़कर क्लीन चिट देते रहे। कहते रहे कि न इसमें सरकारी अधिकारी शामिल है, न राजनेता या कर्मचारी शामिल हैं, इस तरह की टिप्पणियां करते रहे। शेखावत ने कहा कि आज जब हकीकत सामने आ रही है, तब बौखलाए हुए हैं। इस तरह के बयान देते हैं, लेकिन राजस्थान की जनता ने पिछले 5 साल का उनके शासनकाल के उस कुराज को देखा है। वो अच्छी तरह से जानती और पहचानती है। उनके बयान उनकी खिसियाहट दिखलाते हैं।

सनातन संस्कृति के अनुसार इजराइलियों ने पुष्कर में अपनों का तर्पण किया

हमास आतंकी हमले में मारे गए अपने व जाने अनजाने लोगों की आत्मा की शांति की कामना की

पुष्कर/अजमेर, (कासं)। एक वर्ष पूर्व आज ही के दिन, यानी 7 अक्टूबर 2023 को आतंकी संगठन हमास द्वारा इज़रायल पर किए गए आतंकी हमले में मारे गए इज़रायलियों की आत्मा की शांति के लिए उनके परिवारजन और मित्रों ने शनिवार को पुष्कर सरोवर का पूजन व तर्पण कर प्रार्थना की। इस मौके पर विदेशी पर्यटकों की ओर से सरोवर की महाआरती का भी आयोजन किया गया।

टूरिस्ट गाइड व पुरोहित गोपाल पाराशर ने बताया कि गत वर्ष होली पर्व मनाने के लिए 12 इज़रायली पर्यटक पुष्कर आए थे। ये सभी कुछ दिनों के बाद अपने स्वदेश लौट गए। फिर, 7 अक्टूबर को 4 इज़रायली पर्यटकों की आतंकी संगठन हमास द्वारा नृशंस हत्या कर दी गई थी। इन्हीं मृत आत्माओं की आत्मशांति के लिए इज़रायली पर्यटकों के 23 सदस्यीय दल ने शनिवार को पुष्कर सरोवर के ग्वालियर घाट पर पुरोहित पं. कौशल मुखिया के आचार्यत्व व पंडित गोविंद पराशर के सह आचार्यत्व में पुष्कर सरोवर का पूजन करके सरोवर का पवित्र जल, जौ, तिल, चावल, पुष्प, कुशा आदि सामग्री को अपने हाथों में लेकर तर्पण किया।

इज़रायली पर्यटक डानी एवं मरिता ने बताया कि गत वर्ष हमास द्वारा किए गए आतंकी हमले में उनके 26 वर्षीय पुत्र अलोन की हत्या कर दी गई थी। उसकी आत्मा की शांति के लिए वे पुष्कर सरोवर की पूजा व तर्पण करने आए हैं। उन्होंने बताया कि गत वर्ष उनका पुत्र अलोन लाइफ पार्टी करने गया तो वापस कभी नहीं आया। सभी पर्यटक मित्रों व परिचितों कातर्पण करते भावुक हो गए।

इज़रायली पर्यटकों ने पुरोहित द्वारा बोले गए तर्पण कर्म को संस्कृत में बोलते हुए पूजन किया। पुरोहित कौशल मुखिया ने सभी को अंग्रेजी भाषा में हिंदू संस्कृति से रूबरू कराते हुए पूजन करवाया। तर्पण कर्म के बाद सभी पर्यटक बद्री घाट गए और वहाँ महा आरती में शामिल हुए। पुष्कर स्थित बेद खबाद हाउस के मैनेजर हनुमान प्रसाद बाकोलिया ने बताया कि रविवार को जयपुर में अमर ज्योति जयंती स्थल पर आयोजित शहीद दिवस कार्यक्रम में खबाद हाउस पुष्कर के धर्मगुरु सिम्सन गोल्डस्टीन ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उनके नेतृत्व में पुष्कर से काफी संख्या में इजरायली पर्यटकों ने हाइफा युद्ध में शहीद हुए जवानों को श्रद्धांजलि दी।

इज़रायली पर्यटकों के 23 सदस्यीय दल ने पुष्कर सरोवर का पूजन व तर्पण कर प्रार्थना की।

- 23 सदस्यीय पर्यटकों की ओर से पुष्कर सरोवर की महाआरती का भी आयोजन हुआ

थीम बेस्ड होगा माइंस विभाग का राइजिंग राजस्थान प्री समिट

माइंस विभाग का 8 नवबंर को जयपुर में होगा राइजिंग राजस्थान प्री समिट

जयपुर। राजस्थान के माइंस विभाग का 8 नवबंर को जयपुर में होने वाला राइजिंग राजस्थान प्री समिट निवेश प्रस्तावों पर एमओयू के साथ ही थीम बेस्ड भी होगा। खान एवं पेट्रोलियम विभाग के प्रमुख शासन सचिव टी. रविकान्त ने सोमवार को सचिवालय में राइजिंग राजस्थान के तहत खान विभाग के प्री समिट की तैयारियों को लेकर उच्च स्तरीय बैठक में यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि इससे राजस्थान की खनिज संपदा और खनन क्षेत्र की संभावनाओं से प्री समिट में हिस्सा लेने वाले प्रतिभागियों के साथ ही देश दुनिया के माइनिंग क्षेत्र से जुड़े लोग रुबरु हो सकेंगे। प्रमुख सचिव खान टी. रविकान्त ने बताया कि प्री समिट को बहुआयामी व बहुउपयोगी बनाने के लिए निदेशक माइंस भगवती प्रसाद कलाल और संयुक्त सचिव माइंस आशु चौधरी के साथ वरिष्ठ अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। बीएस सोढ़ा को समन्वयक अधिकारी होंगे। प्री समिट में निवेष प्रस्तावों के एमओयू के लिए संपर्क, सहयोग व समन्वय की जिम्मेदारी अतिरिक्त निदेशक एमपी मीणा को दी गई हैं वहीं खनन क्षेत्र से जुड़े देश-प्रदेश के सरकारी, गैरसरकारी, अकादमीक व निजी क्षेत्र के विशेषज्ञों से संपर्क व समन्वय की तैयारी अतिरिक्त निदेशक भूविज्ञान जयपुर आलोक प्रकाश जैन करेंगे। इसी तरह से साहित्य सामग्री तैयार करवाने और राज्य की खनिज संपदा से रुबरु कराने के लिए सारगर्भित प्रदर्शनी के लिए अतिरिक्त निदेशक पेट्रोलियम को जिम्मा दिया गया है। इसी तरह से एसएमई विजिलेंस प्रताप मीणा को अतिथियों की सूची व आमंत्रण की जिम्मेदारी दी है। सभी प्रभारी अपने टीम सहयोगियों के साथ तय समय सीमा में तैयारियां सुनिश्चित करेंगे।

टी. रविकान्त ने बताया कि प्री समिट में माइंस सेक्टर से जुड़े एमओयू सत्र के साथ ही खनन क्षेत्र से जुड़े प्रमुख बिन्दुओं पर विशेषज्ञ चर्चाओं के साथ ही पैनल चर्चाएं भी रखी जाएगी ताकि प्री समिट और अधिक उपादेय हो सके। इसके साथ ही दिसंबर में आयोजित होने वाले राइजिंग राजस्थान में खनन क्षेत्र के और अधिक निवेश प्रस्ताव हस्ताक्षरित हो सके। उन्होंने थीम को अंतिम रुप देने के साथ ही वरिष्ठ अधिकारियों को युद्ध स्तर पर तैयारियों में जुट जाने के निर्देश दिए। निदेशक माइंस भगवती प्रसाद कलाल ने बताया कि विभाग द्वारा प्री समिट की आवश्यक तैयारियां आरंभ कर दी गई है। उन्होंने कहा कि प्री समिट में राजस्थान के माइनिंग सेक्टर को और अधिक एक्सप्लोर करते हुए निवेश, रोजगार और प्रदेश के आर्थिक विकास में और अधिक भागीदारी तय की जा सकेगी। संयुक्त सचिव आशु चौधरी ने तैयारियों की जानकारी दी। बैठक में मुख्य कार्यकारी आरएसएमईटी एनके सिंह, एसजी सुनील कुमार वर्मा, सुशील कुमार हुड़ा, डेलोइट के प्रतिनिधि व विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

खान एवं पेट्रोलियम विभाग के प्रमुख शासन सचिव टी. रविकान्त ने प्री समिट की तैयारियों को लेकर उच्च स्तरीय बैठक ली।

विद्युत वायर चोरी करने के मामले में पांच गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। शहर एवं आपस पास क्षेत्र में निर्माणाधीन मकानों से विद्युत वायर चारी करन के मामले में लाखों का माल चोरी करने की वारदातों का खुलासा करते हुए इस मामले मं अन्तर्राज्यीय चोर गिरोह के मुख्य सरगना सहित पांच आरोपियां को सुखेर थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया।

जिला पुलिस अधीक्षक योगश गोयल के निर्देश पर शहर में अपराधों की रोकथाम एवं अपराधीयों की धरपकड़ करने के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा, पुलिस उप अधीक्षक कैलाशचन्द्र के सुपरविजन में सुखेर थानाधिकारी हिमांशुसिंह राजावत के नेतृत्व में गठित दल को कांस्टेबल अचलाराम ने ओगणा व नाई थानार क्षेत्र में कुछ संदिग्ध युवकों के आने की सूचना दी । इसपर मुखबीर से मिली सूचना क आधार पर पुलिस दल ने माके पर पहुंच कर मांगीलाल पुत्र धर्मचंद मीणा

- **आरोपी निर्माणाधीन मकानों में चोरी की वारदात को देते थे अंजाम**

निवासी नेताजी का बारा ओगणा, भगवतीलाल पुत्र नारायण मीणा निवासी केली थाना नाई, मुकश पुत्र रमश मीणा निवासी नया गुडा, भरत पुत्र मांगीलाल मीणा निवासी पिपलवास नाई तथा कैलाश पुत्र रामलाल मीणा निवासी नया गुडा को दबोच कर पूछताछ की तो आरोपियों ने सुखेर थाना क्षेत्र में 20 चोरियों सहित कुल 53 चारियां करना स्वीकार करने पर सभी को गिरफ्तार किया। इस मामले में करीब डेढ वर्ष में सुखेर पुलिस थाने में पन्द्रह प्रकरण दर्ज है। इस पर इनसे की गई पूछताछ के आधार पर आरोपियों की निशान देही स 35 लाख रूपय क चोरी किया गए ब्रान्डेड वायरिंग का माल बरामद किया। पूछताछ में माल बेचन वालों का आरोपियों ने नाम बताया है। जिन्हें नामजद कर पुलिस तलाश कर रही है। आरोपियों अलग अलग समूह बनाकर शहर के कॉलोनी में घूते तथा कोई भी नया बनने वाले मकान की रैकी कर वहां वायरिंग का काम शुरू होने की जानकारी प्राप्त करते।

रात के समय में पिकअप, कार व बाईक लेकर मौके पर पहुंच कर वारदात को अंजाम देकर फरार हो जाते। चारी किया माल मांगीलाल अपने कब्ले में रखता। जिन्हें जला कर तांबा निकाल बेच दिया करते थे। आरोपियों क खिलाफ उदयपुर शहर तथा आस पास खेलगांव, बडी,थूर, फेनियों का गुड़ो, टाईगर हील्स क्षेत्र, तुलसीनगर, गढमगरी, बोरों का गुड़ा, भैरवगढ के पास, वैष्णोदेवी माताजी के पास होटल से, चन्द्रा कॉलोनी के पास से, चिकूटनगर ए ब्लॉक से ,घाटा वाली माताजीके सामने,कानपुर , पुलक विहार, रामगिरी, लखावली, नेलागांव, बलिचा, शौभागपुरा पेट्रोल पंप के पिछे, मीरा नगर, न्यूआरटीओं के पिछे, गांधीनगर सुखेरे, नाकोड़ा विहार, ऐश्वर्या कॉलेज के पिछे, अनन्ता हास्पीटक के समीप, सविना मंडी, पुराना महिला थाने के सामने, राजकमल होटल के पिछे से, लाल बाग के पास से,यमुनानगर के पास नाथद्वारा, सुखाडिया नगर नाथद्वारा,न्यू बस स्टेंड के पास नाथद्वारा, मावली कस्बे में दो, घाटा वाला माताजी के सामने , बडगांव होली के बाद रामपुरा डाकन कोटड़ा क्षैत्र में करीब डेढ वर्ष में चोरियों करना कबूल किया। आरोपियों से पूछताछ मे औरे भी वारदातें खुलने की संभावना है। आरोपियों द्वारा राजस्थान के अलावा गुजरात आदि राज्यों में चोरी किये जाने की जानकारी सामने आई है। इस संबंध में गहनता से पूछताछ की जा रही है।

उदयपुर ने जयपुर टीम को 6 रन से दी शिकस्त

- **सेमीफाइनल में बीकानेर से होगा मुकाबला**

राजसमंद, ०(निसं)। जिला मुख्यालय स्थित सेन्ट पॉल सीनियर सैकेण्डरी स्कूल तथा जिला शिक्षा विभाग के तत्वाधान में आयोजित 68वीं राज्य स्तरीय 17 वर्ष छात्रा क्रिकेट प्रतियोगिता में बालिकाओं ने सोमवार को जीत के लिए चौके-छक्के लगाए।

प्रतियोगिता के केन्द्राध्यक्ष एवं प्राचार्य फादर जॉनी मैथ्यू ने बताया कि प्रतियोगिता के चौथे दिन सोमवार को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में बालिकाओं ने जीत के लिए चौके-छक्के लगाकर अपने खेल कौशल का प्रर्दशन किया। फादर ने बताया कि सोमवार को प्रात: कालीन सेशन में सेन्ट पॉल सीनियर सैकेण्डरी स्कूल खेल मैदान पर प्रबन्धक फादर बेसिल वसुनिया ने खिलाडीयों से परिचय प्राप्त किया। संयोजक रेण कुंवर राणावत ने बताया कि प्रतियोगिता में बीकानेर, उदयपुर, अजमेर व हनुमानगढ की टीमें अपना दमखम दिखाते हुए फाइनल में अपनी जगह बनाने के लिए जोर अजमाइश करेंगी। प्रतियोगिता के कॉर्डिनेटर व मीडिया प्रभारी धर्मेन्द्र गुर्जर ने बताया कि सेन्ट पॉल स्कूल खेल मैदान के प्रभारी निर्मल सनाढ्य ने बताया कि बीकानेर बनाम चुरू के मध्य खेले गए क्वाटर फाईनल मैच में बीकानेर की मनीषा के 46 रन की बदौलत कुल 94 रन बनाकर बीकानेर टीम 27 रन से विजयी रही। जिसके खिलाफ चूरू टीम मात्र 67 रन पर ही धराशायी हो गई। दूसरा क्वाटर फाईनल स्कूल खेल मैदान पर जयपुर बनाम उदयपुर के बीच खेला गया। जिसमें उदयुपर की टीम ने टॉस जीतते हुए पहले बेटिंग करने का निर्णय लिया। उदयपुर की नताशा ने 4 चौके लगाकर कुल 32 रन बनाए। जिससे उदयपुर टीम का कुल स्कोर 96 हो गया। मुकाबले में जयपुर टीम ने लक्ष्य का पीछा करते हुए जयपुर टीम की गौरवी ने 2 छक्के लगाते हुए 38 रन बनाए व अन्नु ने 2 चौके लगाकर कुल 25 रन बनाए, परन्तु निर्धारित 12 ओवर में जयपुर की टीम 90 रन पर ही सिमट गई। अन्त में उदयपुर टीम 6 रनों से विजयी हुई। प्रभारी राजेश गुर्जर ने बताया कि प्रात:कालीन सेशन में प्री-क्वाटर मैच चित्तौड बनाम कोटा के बीच हुआ। जिसमें कोटा 9 विकेट से जीत हासिल कर क्वाटर फाईनल में पहुंची।

तमसो मा ज्योतिर्गमय
GITS Darkness to Light
GEETANJALI INSTITUTE OF TECHNICAL STUDIES
(Affiliated to Rajasthan Technical University, Kota & Approved by AICTE, New Delhi)
NAAC ACCREDITED "A" GRADE INSTITUTE | NBA ACCREDITED ENGINEERING & MANAGEMENT PROGRAMS
ISO 9001:2015 Reg. No.: RQ91/7961
ADMISSIONS OPEN
Last Date for Admission: 23rd October, 2024
APPLICATIONS ARE INVITED FROM ELIGIBLE CANDIDATES FOR ADMISSION IN 1st YEAR FOR BELOW MENTIONED AICTE APPROVED COURSES:
B.Tech. 1st YEAR PLUS LATERAL ENTRY IN 2nd YEAR (D to D)
M.Tech. | MBA
(AFFILIATED TO RAJASTHAN TECHNICAL UNIVERSITY, KOTA)
BCA
(AFFILIATED TO MOHANLAL SUKHADIA UNIVERSITY, UDAIPUR)
ADMISSIONS HELP LINE 9116039801 9116039802 9116039822
AIRPORT ROAD, DABOK, UDAIPUR-313022 (RAJ.) admission@gits.ac.in www.gits.ac.in

हादसे में युवक की मौत

उदयपुर, (कासं)। शहर के प्रतापनगर थाना क्षेत्र में हुए सडक हादसे में युवक की मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार जालम (24) पेमा गमेती ढिकली की गाडी की टक्कर से मौत हो गई। जालम सोमवार दोपहर में चचेरे भाई दिनेश के साथ पैदल पैदल जा रहा था। इस दौरान गाडी ने जालम को चपेट में ले लिया।

विद्यार्थियों को बताया वास्तुकला का महत्व

उदयपुर, (कासं)। विश्व वास्तुकला दिवस सोमवार को विविध आयोजनों के साथ मनाया गया। कश्ती फाउंडेशन और इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ आर्किटेक्ट के तत्वावधान में जिला मुख्यालय के समीपस्थ राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय थूर में कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस अवसर पर स्केच आर्टिस्ट और वास्तुकार सुनील लड्ढा, वास्तुकार संजीव गुप्ते, रोहित सेन व मानसी गांधी ने विद्यार्थियों को वास्तुकला का इतिहास, वर्तमान युग में वास्तुकला के बदलते स्वरूप और उपयोगिता के साथ एवं वास्तु शास्त्र के बारे में रोचक जानकारी दी।वास्तुकार सुनील लड्ढा ने वास्तुकला के महत्व और उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए पीपीटी और वास्तु उपकरणों के माध्यम से विभिन्न तकनीकी पहलुओं के बारे में विद्यार्थियों को जागरूक किया। उन्होंने विद्यार्थियों के बीच पहुंचकर आज के दौर में आमजन की पसंद के अनुरूप भवन या अन्य स्ट्रक्चर के संबंध में नक्शा बनाकर एवं वास्तुकार के लिए विभिन्न उपयोगी उपकरणों का उपयोग बताते हुए महत्वपूर्ण जानकारी दी। लड्ढा ने उभरते वास्तुकारों द्वारा किए गए नवाचारों के बारे में बताया और वास्तुकला को करियर के अवसर के रूप में भी लेने के लिए विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया।

कार्यालय नगरपरिषद् डूँगरपुर (राज.)

फोन (का) :– 02964–232459, फैक्स :– 02964–233690, Email Id:- npd.dpr@gmail.com

क्रमांक :– स्टोर/न.प.डूँ./2024–25/3139 दिनांक :– 01.10.2024

प्रस्ताव आमन्त्रण – मेला लगाने

नगरपरिषद् डूँगरपुर द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी दिपावली मेला दिनांक 14.10.2024 से 04.11.2024 तक आयोजित किया जा रहा है। मेला आयोजन के अनुभवी इवेन्ट मेनेजमेन्ट (कार्यक्रम प्रबंधक) से प्रस्ताव आमन्त्रण दिनांक 09.10.2024 को राशि रु 1,00,000/– अमानत राशि एवं प्रस्ताव आमन्त्रण पत्र शुल्क रु 500/– जमा कर दोपहर 1.00 बजे तक प्राप्त कर सकेगें। प्रस्ताव आमन्त्रण पत्र उसी दिन सांय 4:00 बजे उपस्थित कार्यक्रम प्रबंधको के समक्ष खोली जावेगी। प्रस्ताव संबंधी शर्ते किसी भी कार्य दिवस में नगरपरिषद् में देखी जावेंगी। शशर्त कोई भी प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जावेंगा।

शर्तें:–

1. आमन्त्रण पत्र हेतु आवेदन करते समय अमानत राशि की डी.डी. जमा कराने पर ही आमन्त्रण पत्र जारी किया जावेगा।
2. जी.एस.टी. नम्बर व पहचान पत्र (वोटर आई.डी./आधार कार्ड) का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।
3. अन्य शर्ते प्रस्ताव के आमन्त्रण पत्र के अनुरुप रहेगी।

राज.संवाद/सी/24/6142 सभापति आयुक्त

भीम कार्यालय नगर पालिका नाथद्वारा, जिला-राजसमन्द (राज.)

Email:-np_ntd@yahoo.in Ph.-02953-233526

क्रमांक/न.पा.नाथ./उप.एकी./2024/11502 दिनांक : 30/09/2024

-:आपत्ती सूचना:-

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नांकित व्यक्तियों द्वारा जरिये क्रय शुदा/पट्टा शुदा के आधार पर भूखण्डों का पुर्नगठन / उपविभाजन का स्वयं के नाम पर निम्नांकित वर्णित सम्पत्ति पर पुर्नगठन / उपविभाजन कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त आवेदन के संबंध में किसी भी हितधारी को कोई आपत्ती हो तो सात दिवस (कार्य दिवस) में नगर पालिका कार्यालय में लिखित रूप से प्रस्तुत कर दें अन्यथा प्रकरण में कोई आपत्ती प्राप्त नहीं होने एवं दस्तावेज पूर्ण पाये जाने पर नियमानुसार कार्यवाही पूर्ण करते हुए उक्त प्रकरणों में आगामी कार्यवाही सम्पादित कर दी जायेगी।

क्र. सं.	आवेदक का नाम व पता	आवेदित सम्पत्ति का पता	पड़ौस का विवरण			
			पूर्व	पश्चिम	उत्तर	दक्षिण
1	श्री अकील अहमद गौरी पिता श्री मोहम्मद युसूफ गौरी, नाथद्वारा	भूखण्ड संख्या-9बी, गिरिराज ग्रीन्स , गुंजोल तहसील नाथद्वारा	भूखण्ड संख्या-02	आम रास्ता 30 फिट	भूखण्ड संख्या-10	भूखण्ड संख्या-09 ए

आयुक्त, नगर पालिका नाथद्वारा

प्रारूप-10 (नियम-6(7) देखिए)

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी एवं आयुक्त नगरपालिका नाथद्वारा

सं./न.पा.नाथ./90क/24/11719 **लोक-सूचना** दिनांक : 07/10/2024

श्रीमती रजनी लोधा पत्नी श्री प्रकाश लोधा निवासी नियर अंकुर स्कूल, बी.एड.कॉलेज तेलियों का तालाब, नाथद्वारा, जिला-राजसमन्द ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर -कृषिक प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात–

जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा संख्या	क्षेत्र
नाथद्वारा जिला-राजसमन्द	नीचली ओडन	695/696	रकबा 0.6070 हैक्टर

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जावेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 07/10/2024 को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी एवं आयुक्त, नगर पालिका, नाथद्वारा

भीम कार्यालय नगर पालिका नाथद्वारा, जिला-राजसमन्द (राज.)

Email:-np_ntd@yahoo.in Ph.-02953-233526

क्रमांक/न.पा.नाथ./नामा./2024/11517 दिनांक : 30/09/2024

-:आपत्ती सूचना:-

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नांकित व्यक्तियों द्वारा जरिये क्रय शुदा/पट्टा शुदा के आधार पर भूखण्डों का नामान्तरण/नाम हस्तान्तरण का स्वयं के नाम पर निम्नांकित वर्णित सम्पत्ति पर नामान्तरण / नाम हस्तान्तरण कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त आवेदन के संबंध में किसी भी हितधारी को कोई आपत्ती हो तो सात दिवस (कार्य दिवस) में नगर पालिका कार्यालय में लिखित रूप से प्रस्तुत कर दें अन्यथा प्रकरण में कोई आपत्ती प्राप्त नहीं होने एवं दस्तावेज पूर्ण पाये जाने पर नियमानुसार कार्यवाही पूर्ण करते हुए उक्त प्रकरणों में आगामी कार्यवाही सम्पादित कर दी जायेगी।

क्र. सं.	आवेदक का नाम व पता	आवेदित सम्पत्ति का पता	पड़ौस का विवरण			
			पूर्व	पश्चिम	उत्तर	दक्षिण
1	श्री अकील अहमद गौरी पिता श्री मोहम्मद युसूफ गौरी, नाथद्वारा	भूखण्ड संख्या-9बी, गिरिराज दर्शन, कॉलोनी, गिरिराज पुरा, नाथद्वारा	भूखण्ड संख्या-02	आम रास्ता 30 फिट	भूखण्ड संख्या-10	भूखण्ड संख्या-09 ए

आयुक्त, नगर पालिका नाथद्वारा

पंजाब नैशनल बैंक punjab national bank

मंडल शस्त्रा विभाग, तृतीय तल, एलआईसी भवन, सब सिटी सेन्टर, रेती स्टैंड, उदयपुर राजस्थान–313001, फोन नं.: 8840764553, ई-मेल: cs8328@pnb.co.in

अचल सम्पत्ति की विक्रय सूचना

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6) के परन्तुक के साथ पठित वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन अचल आस्तियों के विक्रय हेतु ई-नीलामी विक्रय नोटिस।

सर्व-साधारण को और विशेष रूप से ऋणियों/जमानतदारों को विशेषत: यह नोटिस दिया जाता है कि नीचे वर्णित अचल सम्पत्ति जो बैंक/प्रतिभूत लेनदार के पास गिरवी/प्रभारित है, का अधिग्रहण रचनात्मक/भौतिक/प्रतीकात्मक रूप से **पंजाब नैशनल बैंक** प्रतिभूत लेनदार के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिया गया है, को **"जहाँ है, जैसा है और जो कुछ भी है"** को नीचे दी गई तालिका में उल्लिखित तिथि, ऋणियों/जमानतदारों से **पंजाब नैशनल बैंक** प्रतिभूत लेनदार की बकाया ऋण राशि की वसूली हेतु बेचा जाएगा। आरक्षित मूल्य, अग्रिम राशि (धरोहर राशि) संबंधित सम्पत्ति के आगे नीचे दी गई तालिका में वर्णित है।

सुरक्षित संपत्ति की अनुसूची

लोट नं.	शाखा कार्यालय / खाते का नाम / ऋणियों/जमानतियों का नाम व पता	बंधक सम्पत्ति का विवरण (बंधककर्ता का नाम)	(ए) 13(2) नोटिस की दिनांक / (बी) बकाया ऋण राशि दिनांक तक / (सी) कब्जा दिनांक / (डी) कब्जे का प्रकीक प्रतीकात्मक/भौतिक/रचनात्मक	(ए) आरक्षित मूल्य / (बी) धरोहर राशि / (सी) बोली वृद्धि राशि	ई-नीलामी दिनांक व समय	प्रतिभूत लेनदार को ज्ञात भार का विवरण
1	356600- चेतक सर्कल **मैसर्स करणी मार्बल एण्ड ग्रेनाईट्स** आराजी नं. 305/58 एवं 306/58, मोहन नगर, गाँव पाण्डोलाई, पोस्ट ऑफीस मोही, तहसील एवं जिला राजसमन्द 313324 **पार्टनर्स एवं जमानतदार-** **श्री प्रणवीर सिंह भाटी पुत्र श्री प्रेम सिंह** 2, मोहन नगर, पाण्डोलाई, मोही, राजसमन्द 313324 **श्री पृथ्वीराज सिंह भाटी पुत्र श्री प्रेम सिंह** 2, मोहन नगर, पाण्डोलाई, मोही, राजसमन्द 313324	1. श्री पृथ्वीराज सिंह भाटी पुत्र श्री प्रेम सिंह भाटी के नाम साम्यिक बंधक फैक्ट्री भूमि एवं भवन जो आराजी नं. 305/58, मोहन नगर, गांव पाण्डोलाई, पोस्ट ऑफीस मोही, तहसील एवं जिला राजसमन्द, राजस्थान पर स्थित है। एवं श्री प्रणवीर सिंह भाटी पुत्र श्री प्रेम सिंह भाटी के नाम साम्यिक बंधक फैक्ट्री भूमि एवं भवन जो आराजी नं. 306/58, मोहन नगर, गांव पाण्डोलाई, पोस्ट ऑफीस मोही, तहसील एवं जिला राजसमन्द, राजस्थान पर स्थित है। क्षेत्रफल 13068 वर्ग फीट है।एवं 2. प्लान्ट एवं मशीनरी एवं स्टॉक्स **सीमाएं-** पूर्व: आराजी नं. 61 की भूमि, पश्चिम: आराजी नं. 302/58 की शेष भूमि, उत्तर: आराजी नं. 302/58 की शेष भूमि, दक्षिण: आराजी नं. 60 की भूमि **नीलामी संदर्भ संख्या:** PUNB7EA51844511	(ए) 07.05.2024 (बी) रू. 2,02,79,974.50 दिनांक 30.04.2024 को बकाया + आगे का ब्याज (सी) 05.08.2024 (डी) सांकेतिक कब्जा	(ए) रू. 93,00,000/- (फैक्ट्री एवं रू. 2,70,58,625/- (प्लान्ट एवं मशीनरी एवं स्टॉक्स) कुल रू. 3,63,58,625/- (बी) रू. 36,35,862/- (सी) रू. 50,000/-	13.11.2024 सुबह 11:00 बजे से साँय 04:00 बजे तक	ज्ञात नहीं

शर्तें व निबन्धन- बिकी प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 में निम्नलिखित शर्तों और निबन्धनों के अधीन होगी। 1. सम्पत्ति को **"जो जहाँ है, जो जैसा है, और जो कुछ भी है"** के रूप में बेचा जाएगा। 2. इस अनुसूचि में निर्दिष्ट सुरक्षित संपत्ति के विवरण को प्राधिकृत अधिकारी की प्राप्त पूर्ण जानकारी के अनुसार ही प्रतिभूत आस्तियों को उपर दिखाई गई तालिका के अनुसार बेचा जाएगा, लेकिन प्राधिकृत अधिकारी इस उद्घोषणा में किसी त्रुटि, गलत कथन या चूक के लिए जवाबदेह नहीं होगा। 3. उपरोक्त बिकी https://ebkray.in की वेबसाइट पर उपरोक्त तालिका में वर्णित **दिनांक 13.11.2024 को सुबह 11:00 बजे से सांय 04:00 बजे** तक ई नीलामी के माध्यम से प्राधिकृत अधिकारी द्वारा की जाएगी। 4. विक्रय की विस्तृत जानकारी हेतु व निबन्धन और शर्तों के लिए कृपया https://ebkray.in एवं www.pnbindia.in देखें।

दिनांक: 07.10.2024
स्थान: उदयपुर

(शैलेन्द्र कुमार वर्मा)
प्राधिकृत अधिकारी
पंजाब नैशनल बैंक, सुरक्षित ऋणदाता

सरफेसी अधिनियम 2002 के नियम 8(6) के अधीन विक्रय की वैधानिक सूचना

कार्यालय राजस्थान मेडिकेयर रीलिफ सोसायटी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मामेर, ब्लॉक-कोटडा (उदयपुर)

क्रमांक:/निविदा/2024-25/91 दिनांक:-07.10.2024

निविदा-सूचना

कार्यालय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मामेर, ब्लॉक कोटडा, जिला उदयपुर (राज.) पर वर्ष 2024-25में इस कार्यालय के अधिन डिलीवरी पोंईटं चिकित्सा संस्थान पर सफाई व्यवस्था हेतु अनुभवी एवं पंजीकृत सेवा प्रदाता एजेन्सी से उक्त कार्य हेतु निविदा आमन्त्रित की जाती है, निविदा प्रपत्र दिनांक 08.10.2024 से 14.10.2024 को 12.00 बजे तक बेची जायेगी तथा दिनांक 14.10.2024 को दोपहर 12.00 बजे तक प्राप्त की जाकर निविदा दिनांक 14.10.2024 को ही 02.00 बजे गठित कमेटी द्वारा उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोली जावेगी :-

क्र. सं.	कार्य का नाम	अवधि	अनुमानित लागत (रूपये में)	धरोहर राशि (रूपये में)	निविदा शुल्क (रूपये में)
1.	सफाई व्यवस्था (सफाई कर्मचारी मय सफाई सामग्री)	वित्तिय वर्ष 2024-2025	180000/-	3600/-	400/- रूपया

शर्ते :-

1. धरोहर राशि "**डी.डी.**" द्वारा "**राजस्थान मेडिकेयर रिलिफ सोसायटी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मामेर**" के नाम से मामेर में देय होगी।
2. निविदायें निहित प्रारूप में प्रस्तुत की जावेगी जिन्हें इस कार्यालय से नकद भुगतान पर प्राप्त किया जा सकता है।
3. निविदा शर्ते कार्यालय में उपलब्ध है जिन्हें निविदादाता किसी भी कार्य दिवस समय में उपस्थित होकर देख सकता है।
4. समिति न्यूनतम दर वाली निविदा को स्वीकार करने हेतु बाध्य नहीं है तथा यह किसी भी निविदा या निविदा के किसी भाग को बिना कोई कारण बताये रद्ध कर सकता है।
5. दरें संस्थान हेतु देना अनिवार्य होगा।

सचिव
राजस्थान मेडिकेयर रीलिफ सोसायटी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, मामेर ब्लॉक - कोटडा (उदयपुर)

कार्यालय राजस्थान मेडिकेयर रिलीफ सोसायटी श्री गुलाब सिंह शक्तावत राजकीय सामान्य चिकित्सालय भीण्डर, जिला उदयपुर (राज.)

E-mail : chc.bhinder@yahoo.in

क्रमांक /आर.एम.आर.एस लेखा./खुली निविदा/2024-25/ दिनांक :

-: खुली निविदा सूचना :-

सर्व साधारण को सुचित किया जाता है कि राजकीय सामान्य चिकित्सालय, भीण्डर जिला उदयपुर पर वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिये सफाई कार्य एवं अन्य कार्यो हेतु निर्धारित निविदा प्रपत्र में सवंदेकों/सेवा प्रदाता एजेन्सी से निम्नानुसार मोहर बन्द निविदायें आमत्रिंत की जाती है। निविदा के नियम एवं शर्ते, विवरण निविदा प्रपत्र में अंकित है। निविदा प्रपत्र किसी भी कार्य दिवस के कार्यालय समय में प्राप्त किया जा सकता है। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त/स्थगित करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरकर्ता का होगा।

क्र. स.	निविदा कार्य विवरण	अनुमानित राशि (रू.)	अमानत राशि (रू.)	निविदा शुल्क (रू.)	निविदा प्रपत्र बेचने की दिनांक व समय		निविदा प्रपत्र जमा करने का दिनांक व समय		निविदा प्रपत्र खोलने की दिनांक एवं समय	
					दिनांक	समय	दिनांक	समय	दिनांक	समय
1.	सफाई व्यवस्था मय मानव संसाधन एवं सामग्री	600000	12000	500	8-10-2024 से 14-10-2024	10.00 am से 3.00 pm	15-10-2024	10.00 am से 3.00 pm	16.10.24	1.00 pm
2.	विद्युत उपकरण एंव रखरखाव	200000	4000	300	8-10-2024 से 14-10-2024	10.00 am से 3.00 pm	15-10-2024	10.00 am से 3.00 pm	17.10.24	1.00 pm

नोट :

1. धरोहर राशि बैंकर्स चैंक/डीडी द्वारा राजस्थान मेडिकेयर रिलीफ सोसायटी सीएचसी भीण्डर के नाम से देय होगी।
2. निविदा निहित प्रारूप में प्रस्तुत की जावेगी जिन्हें इस कार्यालय से नकद भुगतान कर प्राप्त किया की जा सकती है।
3. कार्य की विस्तृत जानकारी एवं शर्तें कार्यालय समय पर कार्यालय में देखी जा सकती है।
4. समिति न्युनतम दर वाली निविदा को स्वीकार करने हेतु बाध्य नहीं है एवं किसी भी निविदा या के किसी भाग को बिना कारण बताये रद्द करने का अधिकार सोसायटी के पास सुरक्षित होगा।

सदस्य सचिव
राजस्थान मेडिकेयर रिलीफ सोसायटी
राजकीय सामान्य चिकित्सालय
भीण्डर, जिला- उदयपुर (राज.)

सार-समाचार

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता सम्पन्न

उदयपुर, (कासं)। गीतांजली इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्निकल स्टडीज (गिट्स) डबोक, उदयपुर में आई.ई.ई.ई. दिवस के अवसर पर आई.ई.ई.ई. स्टुडेंट चेप्टर एवं इलेक्ट्रोनिक्स एण्ड कम्युनिकेषन इन्जिनियरिंग विभाग के संयुक्त तत्वाधान में इंस्टिट्यूट ऑफ इलेक्ट्रकल एण्ड इलेक्ट्रोनिक्स इन्जिनियर्स (आई.ई.ई.ई.) प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। संस्थान के निदेशक डॉ. एन. एस. राठौड ने बताया कि आई.ई.ई.ई. एक टेक्नीकल एवं प्रोफेशनल सोसायटी हैं जो टेक्नोलॉजी रिसर्च और इनोवेशन को आगे बढाने का काम करती है। यह युनाइटेड स्टेट आधारित सबसे बडी संस्था हैं जो इलेक्ट्रीकल, इलेक्ट्रोनिक्स, कम्प्युटर इन्जिनियरिंग सहित वैश्विक बाजार के सभी इन्जिनियरिंग उत्पादों का मानक तैयार करती हैं। इस प्रतियोगिता का मुख्य उदेश्य छात्रों के ज्ञान एवं समझ को तकनीकी और वैष्विक क्षैत्रों में बढाना था। जिससे वे भविश्य में इन्जिनियरिंग के क्षेत्र में एक सफल प्रोफेशनल बन सके। इलेक्ट्रोनिक्स एण्ड कम्युनिकेशन इन्जिनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. प्रदीप के अनुसार इस तकनीकी प्रतियोगिता में 10 टीमों सहित कुल 30 छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया। विभिन्न चरणों में हुई इस प्रतियोगिता में विद्यार्थी प्रीत टाक, किशन सिंह एवं परविंदर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया।

जिला स्तरीय कला उत्सव संपन्न

डूंगरपुर, (निसं)। ब्लॉक के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सुंदरपुर में मेजबान विद्यालय के प्रधानाचार्य लोकेश रावल की अध्यक्षता एवं प्रधानाचार्या राउमावि पुनाली दीपिका जोशी के मुख्य अतिथ्य में जिला स्तरीय कला उत्सव का आयोजन किया गया। प्रारंभ में मेजबान विद्यालय के उप प्रधानाचार्य गिरिराज प्रसाद यादव ने स्वागत भाषण दिया। कार्यक्रम में जिले से 185 छात्र और छात्राओं ने कुल छह श्रेणियों में भाग लिया। कार्यक्रम का समापन समारोह एपीसी समग्र शिक्षा लोकेश चौबीसा की अध्यक्षता एवं कार्यक्रम अधिकारी रामलाल यादव के मुख्य अतिथि में आयोजित हुआ। जिसमें प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ अध्यापक संजय चौबीसा एवं आभार प्राध्यापक विजय कुमार जोशी ने ज्ञापित किया। परिणाम इस प्रकार रहे:-6 श्रेणियों में से संगीत गायन में सुनील ढोली, अमित ढोली,रौनक डामोर श्रवण ढोली, समूह एमजीजीएस सागवाडा ने प्रथम स्थान प्रशांत बैरागी, राउमावि जोगीवाडा ने द्वितीय तमन्ना ढोली, राउमावि पुनाली तृतीय स्थान, श्रेणी संगीत वादन में वीरेंद्र नट राउमावि बनकोडा प्रथम, ललित रोत, महेश रोत, सुनील रोत के समूह राउमावि हिराता ने द्वितीय, लवी ढोली राउमावि सुरपुर ने तृतीय स्थान, श्रेणी नृत्य में धर्मिष्ठा परमार,संजना पाटीदार, रीना पाटीदार के समूह राउमावि पुनाली ने प्रथम स्थान, सोना कटारा, अंजलि कटारा, रेखा कटारा, पूजा कटारा, मोहिनी कटारा के समूह राउमावि माथुगामडा पाल ने द्वितीय, वैष्णवी, काजल भाटिया, हिमानी पाटीदार, वीना मीणा, सिद्धि परमार, के समूह राउमावि बनकोडा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

कार्यकारिणी घोषित

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर जिला अग्रवाल महिला समिति की कार्यकारिणी की घोषणा की गई है। कार्यकारिणी में सुशीला गुप्ता अध्यक्ष, अंजना मित्तल वरिष्ठ उपाध्यक्ष, नीतू गुप्ता महामंत्री, नीलम अग्रवाल कोषाध्यक्ष, पीनू अग्रवाल सह मंत्री, सुषमा झुनझुनवाला, सह कोषाध्यक्ष, शारदा अग्रवाल उपाध्यक्ष, रितु अग्रवाल फतेहनगर उपाध्यक्ष, रितु अग्रवाल उदयपुर उपाध्यक्ष, निकिता अग्रवाल सांस्कृतिक मंत्री, आशा अग्रवाल संगठन मंत्री, रेखा अग्रवाल प्रचार प्रसार मंत्री, सपना गुप्ता, मीता गोयल, कुसुम मेडतिया, बबीता खेतान, सुधा अग्रवाल संरक्षक, तथा संतोष अग्रवाल, अनिता भंडारी, गीता अग्रवाल, मनीषा अग्रवाल, चित्रा अग्रवाल, संतोष पित्ती, लीना अग्रवाल, प्रिया मित्तल, जया अग्रवाल, कमलेश गुप्ता, मनीता गुप्ता, सोनाली बंसल, कुसुम गोयल, मंदाकिनी अग्रवाल, रमा मित्तल, हेमा टेग्या, प्रतिमा अग्रवाल, लता अग्रवाल, बबीता मंगल, अश्विनी बंसल, कविता एरन, शशि मोर फतेह नगर, सपना अग्रवाल फतेह नगर, अनीता अग्रवाल फतेह नगर और दीपिका अग्रवाल सदस्य बनाए हैं।

अनुस्थापन कार्यक्रम आयोजित

उदयपुर, (कासं)। पेसिफिक कालेज ऑफ टीचर्स एज्यूकेशन में आज अनुस्थापन कार्यक्रम आयोजित हुआ मुख्य अतिथि श्री वी. के. यादव जिला समन्वयक समग्र शिक्षा एवं अध्यक्ष प्रो. हेमन्त कोठारी प्रेसिडेंट पाहेर यूनिवर्सिटी थे। कार्यक्रम में सभी नव प्रवेशित छात्रों का स्वागत गुड़, धनिया एवं तिलक लगाकर किया गया, प्रो. हेमन्त कोठारी ने छात्रो को नवीन पाठ्य्यक्रम में प्रवेश हेतु बधाई शुभकामनायें देते हुए कहा कि शिक्षक की भूमिका समाज व देश निर्माण में अति महत्वपूर्ण होती है। राष्ट्र का उत्थान शिक्षक का प्रथम दायित्व होता है। साथ ही डीन डॉ. खेल शंकर व्यास, (षिक्षा संकाय) डॉ. रामेश्वर आमेटा। (डीन विज्ञान संकाय) डॉ. कपिलेश तिवारी (प्राचार्य षिक्षा संकाय) , डॉ. हेमन्त पण्ड्या (प्राचार्य शारीरिक षिक्षा संकाय), विद्यमान रहे धन्यवाद डा. शीला सालवी ने व्यक्त किया कार्यक्रम में सभी संकाय सदस्य विद्यमान थे।

62 लाख 50 हजार पॉलिथिन को सवा लाख बोतलों में किया बंद

राजसमंद, ०(निसं)। जिले में स्वच्छता की 4पी अवधारणा प्लास्टिक हटाओ, पेड लगाओ, पानी बचाओ एवं पर्यावरण को सुंदर बनाओ पर नवाचार किया जा रहा है। स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण परियोजना के तहत ओडीएफ प्लस गांवों में दृश्यमान स्वच्छता के लिये विभिन्न गतिविधियों का आयोजित की जा रही है। इसी के तहत जिले में बाहसठ लाख पच्चास हजार सिंगल यूज प्लास्टिक की थैलियों को सवा लाख प्लास्टिक बोतलों में बंद कर प्लास्टिक के सुरक्षित निपटान के लिये कार्य किया गया है।

राजसमंद जिले में स्वच्छता की 4पी अवधारणा पर नवाचार के तहत बोतलों में सिंगल यूज प्लास्टिक एकत्रित करते जिला स्तरीय अधिकारी।

- राजसमंद जिले में स्वच्छता की 4पी अवधारणा पर किया जा रहा नवाचार

जिला परियोजना समन्वयक स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण नानालाल सालवी ने बताया कि इन प्लास्टिक बोतलों को संकलित कर 2 अक्टूबर से प्रत्येक ग्राम पंचायत में पायलट रूप में कोई एक वेस्ट टू आर्ट गतिविधि की जा रही है। जिसमें सिंगल यूज प्लास्टिक से भरी इन बोतल से पेडों के चारों ओर चबूतरा, ट्री गार्ड, टेबल, कुर्सी, मुड्डे, ब्रेंच आदि बनाये जा रहे हैं।

जिला कलक्टर बालमुकुंद असावा के निर्देशन में जिला परिषद सीईओ बृज मोहन बैरवा ने जिले में नवाचार करते हुए स्वच्छता के लिए 4पी पर काम करना शुरू किया है। जिसकी थीम प्लास्टिक हटाओ, पेड लगाओ, पानी बचाओ एवं पर्यावरण को स्वच्छ बनाना है। इसके लिए जिले में सीईओ बृज मोहन बैरवा ने ग्राम पंचायत कोठारिया, बागाना, विजयपुरा व गवारडी में जन-जागरूकता अभियान के माध्यम से ग्रामीणो को इस के लिए प्रेरित एवं प्रोत्साहित किया है।

जिले की ग्राम पंचायत लाल मादडी से कलक्टर बालमुकुंन्द असावा ने पंचायतों में विजुअल क्लिननेस के लिए स्वयं हाथ में झाडू उठा पंचायत मुख्यालय के मुख्य मार्गो की स्थानीय ग्रामीणो के साथ मिलकर सफाई कर जिले के ग्रामीण क्षेत्रो में दृश्यमान स्वच्छता अभियान की शुरूआत की एवं ग्राम पंचायत द्वारा कचरे से कला के तहत पेडों के चारों ओर प्लास्टिक बोतलों से बनाये ट्री गार्ड, चबूतरों आदि की सराहना की तथा इस तरह की गतिविधियां सभी पंचायतों में भी किये जाने के निर्देश प्रदान किये।

विजुअल क्लिननेस के लिए जिले में अब तक भरी गई बोतलों की पंचायत समितिवार संख्या आमेट-10400, भीम-23000, देलवाडा-11000, देवगढ-12300, खमनोर-18000, कुम्भलगढ-18160, रेलमगरा-14250, राजसमंद-18000 सहित कुल 125110 बोतलें जिले में एकत्रित की जा चुकी है। बोतलों से बनेगा सेनिटेशन पार्क एवं लिखा जाएगा आई लव राजसमंद।जिले की पंचायत समिति खमनोर में स्थित कचरा संग्रहण केन्द्र के पास इन सिंगल यूज प्लास्टिक बोतलों से वेस्ट टू आर्ट के तहत सेनिटेशन पार्क एवं पंचायत समिति राजसमंद मुख्यालय पर इन बोतलों से आई लव राजसमंद लिखा जाकर वेस्ट टू आर्ट के तहत नवाचार किया जाएगा।

स्वच्छता ही सेवा 2०24 अभियान अंतर्गत स्वच्छता के क्षेत्र में नवाचार श्रेणी में सराहनीय कार्य करने पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजसमंद जिले को स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण को दस वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जयपुर में आयोजित समारोह में सम्मानित किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का यह सम्मान जिला परिषद सीईओ बृज मोहन बैरवा ने ग्रहण किया एवं जिला समन्वयक नानालाल सालवी ने समारोह में भाग लिया।

सांवलिया जी सेठ के भंडार से मिले 17 करोड़ रुपए

मंडफिया, (निसं)। मेवाड़ अंचल के प्रमुख तीर्थ स्थल भगवान श्री सांवलिया जी सेठ मंडफिया के दरबार में गत 1 अक्टूबर चतुर्दशी को खोले गए भंडार की शेष रही राशि की गिनती चौथे चरण में संपन्न हुई। भंडार की गिनती मंदिर बोर्ड अध्यक्ष भेरुलाल गुर्जर की उपस्थिति में हुई।

मंदिर के प्रशासनिक अधिकारी नंदकिशोर टेलर ने बताया कि चौथे चरण में हुई भंडार गिनती में 30 लाख 30 हजार 53 रुपए नगद प्राप्त हुए। इससे पूर्व तीन चरणों में हुई गिनती में 13 करोड़ 04 लाख 49 हजार 500 रुपए नगद प्राप्त हुए थे। उन्होंने बताया कि चारों चरणों की गिनती को मिलाकर

- साथ ही साढ़े 88 किलो चांदी व एक किलो 57 ग्राम सोना भी प्राप्त हुआ
- भंडार की शेष रही राशि की गिनती चौथे चरण में संपन्न

कुल 13 करोड़ 34 लाख 79 हजार 553 रुपए की नगद प्राप्त हुए। प्रशासनिक अधिकारी टेलर ने बताया कि इसके अलावा भंडार से निकले सोने चांदी का तोल भी किया गया। भंडार से 195 ग्राम सोना व 36 किलो 15 ग्राम चांदी प्राप्त हुई। उन्होंने बताया कि

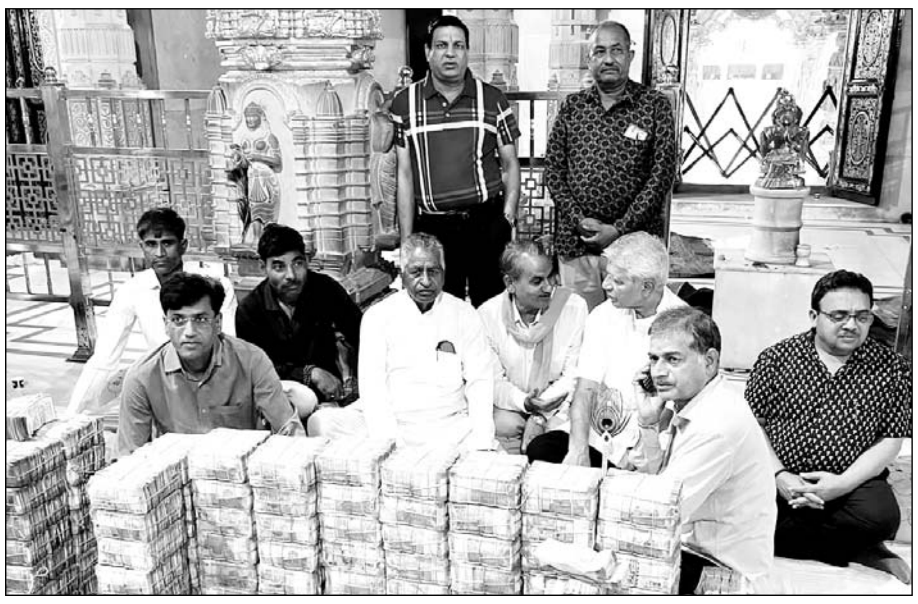

भंडार गिनती में उपस्थित निवर्तमान मुख्य निष्पादन अधिकारी हर्ष व मंदिर बोर्ड अध्यक्ष गुर्जर व पदाधिकारी।

विभिन्न भक्तों द्वारा मंदिर कार्यालय में 862 ग्राम 500 मिली ग्राम सोना व 52 किलो 662 ग्राम चांदी भेंट स्वरूप जमा हुई। प्रशासनिक अधिकारी टेलर ने बताया कि इसके अलावा विभिन्न भक्तों ने विभिन्न स्थानों से मनी ऑर्डर भेजकर,ऑनलाइन द्वारा एवं स्वयं उपस्थित होकर मंदिर कार्यालय में 03 करोड़ 64 लाख 01 हजार 373 रुपए भेंट जमा किए। भगवान श्री सांवलिया जी सेठ के एक माह के भंडार एवं भेंट कक्ष कार्यालय से कुल 16 करोड़ 98 लाख 80 हजार 926 रुपए का नगद चढ़ ावा मिला। इस मौके पर सांवलिया जी मंदिर मंडल के निवर्तमान मुख्य निष्पादन अधिकारी ओ पी हर्ष ने भगवान श्री सांवलिया जी सेठ के दर्शन कर भंडार गिनती का अवलोकन किया। भंडार गिनती में भादसोड़ा नायब तहसीलदार घनश्याम जरवाल, मंदिर बोर्ड सदस्य संजय कुमार मंडोवरा, अशोक शर्मा, ममतेश शर्मा, श्रीलाल पाटीदार, कांग्रेस युवा नेता सुरेश चंद्र गुर्जर, प्रशासनिक अधिकारी नंदकिशोर टेलर, मंदिर प्रभारी राजेंद्र कुमार शर्मा, लेखाधिकारी राघव शर्मा, सुरक्षा प्रभारी भेरू गिरी गोस्वामी, संस्थापन प्रभारी लेहरी लाल गाडरी, दीपक तिवारी सहित चुनिंदा मंदिर कर्मचारी एवं बैंक कर्मी उपस्थित थे।

सार-समाचार

शिविर में सैकड़ों रोगियों की जांच

उदयपुर, (कासं)। शिक्षा क्षेत्र में कार्य कर रहे निजी विद्यालयों के संगठन स्कूल शिक्षा परिवार ने जन सामान्य के स्वास्थ्य की देखभाल व बेहतरीन स्वास्थ्य के लिए निऱ्शुल्क स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए गत दिनों संभाग के बडे मेडिकल कॉलेज पेसिफिक इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस (पिम्स हॉस्पिटल) उमरडा के साथ एक वर्ष के लिए अनुबंध किया था। इसके अंतर्गत द्वितीय निऱ्शुल्क चिकित्सा शिविर वार्ड 41 पुरोहितों की मादडी स्थित सनशाइन सेकेंडरी स्कूल में लगाया गया। शिविर में 400 से अधिक लोगों ने विभिन्न बीमारियों की जांच करवाई जिन्हें पिम्स हॉस्पिटल के स्त्री रोग विभाग की डॉ. चारुलता, बालरोग विभाग के डॉ. राहुल खत्री, आँख नाक गला विभाग के डॉ. नबील, दंत चिकित्सक डॉ. साईं, मानसिक रोग विभाग की डॉ. दिव्या, जनरल मेडिसिन विभाग के डॉ. उदित, अस्थि रोग विभाग की डॉ. करीना, व बाल चिकित्सक डॉ. सत्यमूर्ति ने परामर्श दिया। स्कूल शिक्षा परिवार के संभागीय महामंत्री भवानीप्रताप सिंह झाला ने बताया कि पिम्स हॉस्पिटल उमरडा के साथ हुए अनुबंध के अंतर्गत द्वितीय चिकित्सा शिविर पिम्स का शुभारंभ मेवाड क्षत्रिय महासभा के केन्द्रीय अध्यक्ष अशोकसिंह मेतवाला, क्षेत्रीय पार्षद कमलेश मेहता, स्कूल शिक्षा परिवार के संभाग प्रभारी सीपी रावल, उदयपुर केन्द्रीय सहकारी बैंक के पूर्व चेयरमेन विजेंद्रसिंह सारंगदेवत, राजस्थान इंटक के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष सतीश व्यास, स्कूल शिक्षा परिवार के संभागीय अध्यक्ष गिरीश जोशी, विद्यालय प्रधानाध्यापिका संध्या सारंगदेवत, स्कूल शिक्षा परिवार के जिला अध्यक्ष कपिल शर्मा, दिलीप आमेटा, शिविर संयोजक अनुभव गौड ने दीप प्रज्वलित कर किया। संध्या सारंगदेवोत ने बताया कि शिविर में नि:शुल्क पारिवारिक आभा आईडी सुविधा कार्ड भी उपलब्ध कराये गए। आभा कार्ड सरकार द्वारा चलाई योजना है जिसमें सभी रोगियों का डिजिटल डाटा स्थाई रूप से सुरक्षित रहता है।

चंदन पेड़ चोर गिरफ्तार

उदयपुर,(कासं)। गार्ड को बंधक बना गुलाब बाग से चंदन पेड़ काट कर चोरी करने वाले को पुलिस ने गिरफ्तार किया। प्रकरण के अनुसार 17 जुलाई को पीडत दशरथ सोनी पुत्र चान्दमल सोनी निवासी ब्रम्हपोल हॉल गार्ड गुलाब बागक ने रिपोर्ट दी । जिसमें पीडित ने बतातया कि मेरा सहकर्मी राजकुमार कुमावत दोनों रात में गुलाब बाग में ड्यूटी पर थे। रात में मुंह पर कपड़ा बांध कर आए 6 अज्ञात व्यक्ति ने दोनों को धारदार हथियार दिखा कर बंधक बना दिया तथा मुख्य गेट के पिछे ले जाकर बिठा दिया। इस दौरान कुद बदमाशों ने पार्किंग में लगे दो बडें चंदन के पेड़ काट चुरा ले गए। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस आीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा, पुलिस उप अधीक्षक दगन पुरोहित के सुपरविजन में सूरजपोल थानाधिकारी रतनसिंह चौहान मय टीमत ने हाकिम खां उर्फ छोटू खां पुत्र अजीज मोहम्मद निवासी बावड़ी दरवाजानिकुम्भ थाना निकुम्भ चित्तोड़गढ को बाद पूछताछ गिरफ्तार किया।

धोखाधड़ी का मामला दर्ज

उदयपुर,(कासं)। शहर के सुखेर थाना पुलिस ने पीडित की रिपोर्ट पर दा बहनो व परिजनों के खिलाफ जमीन बेचने का झासा देकर नकदी हडपने का प्रकरण दर्ज किया। पुलिस स प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडित दवीलाल पुत्र पुरीलाल डांगी निवासी डांगलियों की मगरी भुवणा सुखेर ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें पीडित ने बताया कि लखावली निवासी गायत्री , मनोरमा पुत्री पन्नालाल ब्राम्हण व अन्य क खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमं पीडित ने बताया कि 4 अक्टूबर 2016 को आरापियों स जमीन खरीदने का एठिंांट हुआ। जिसक अनुसार भूखण्ड बेचन का सौदा 55 लाख में तय हुआ था भूखण्ड को लेकर छौटा मोटा विवाद हाकर उसके सुलजारा हान पर रजिस्ट्री कराना तय किया। इस मामले में सौदा तय होने पर 10 लाख का भुगातन कर एठीमेंट किया। कुछ समय बाद संपर्क किया ो आरोपी गायत्री के पति सर्वेश दवे न भगवीप्रसाद उर्फ भावेश के नाम पर जमीन की रजिस्ट्री करवा ली।

छात्रसंघ ने दिया कुलपति को ज्ञापन

बांसवाड़ा, (निसं)। गोविंद गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष सुनील सुरावत के नेतृत्व में विभिन्न मांगों के संबंध में कुलपति को ज्ञापन दिया गया। ज्ञापन में एलएलबी द्वितीय व तृतीय वर्ष के परीक्षा परिणाम जारी करने, द्वितीय व तृतीय वर्ष की मान्यता, वेद विद्यापीठ की मान्यता जल्द से जल्द दिलवाने की मांग की गयी वहीं मान्यता को लेकर लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने की भी मांग की गयी। इन लोगों ने दो दिन में परीक्षा परिणाम जारी करने की मांग करते हुए आंदोलन की भी चेतावनी दी। जिस पर विवि प्रशासन ने 2 दिन के अंदर परीक्षा परिणाम जारी करने एवं एलएलबी द्वितीय व तृतीय वर्ष की मान्यता जल्द लाने का आश्वासन दिया। ज्ञापन देने वालों में पूर्व जिला संयोजक आनंद निनामा, पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष भवानी निनामा, छात्र नेता राहुल डिंडोर, मिलन पंड्या, राहुल गणावा आदि शामिल रहे।

विश्व मानक दिवस-2024 के उपलक्ष्य में "स्टेकहोल्डर्स कॉन्क्लेव" का आयोजन

जयपुर/उदयपुर, (कासं)। विश्व मानक दिवस-2024 के उपलक्ष्य में भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), राजस्थान, और मोहनलाल सुखाड़िया विश्विवद्यालय (एमएलएसयू), उदयपुर के संयुक्त तत्वाधान में सात अक्टूबर एक "स्टेकहोल्डर्स कॉन्क्लेव" का आयोजन किया गया।

कॉन्क्लेव का विषय, "बेहतर दुनिया के लिए साझा दृष्टि : एसडीजी 9 (उद्योग, नवाचार और बिनुयादी ढांचा) का समावेश," मजबूत बुनियादी ढांचे का निर्माण, समावेशी और सतत औद्योगिकीकरण को बढ़ावा देना, और

- उदयपुर, भीलवाड़ा, चितौड़गढ़ व राजसमंद के 200 से अधिक हितधारक हुए शामिल

नवाचार को प्रोत्साहत करने पर केंद्रित था। कॉन्क्लेव के उद्घाटन समारोह में डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़, मुख्य अतिथि, कनिका कालिया, निदेशक और प्रमुख, भारतीय मानक ब्यूरो, राजस्थान, एमएलएसयू के प्रबंधन अध्ययन संकाय की निदेशक प्रो. मीरा माथुर और डॉ. अविनाश पंवार, नोडल अधिकारी, आईईटी और निदेशक, कंप्यूटर केंद्र, एमएलएसयू भी कायर्क्रम में अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अपने उद्घाटन भाषण में डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने

गुणवत्ता और मानकीकरण के लिए कटिबद्ध होने के लिए शपथ दिलवाई।

कहा कि हमें अपने देश में गुणवत्ता और मानकीकरण को बढ़ावा देते हुए 21 शताब्दी को भारत के स्वर्णिम काल में बदलना है और मानक इसमें अत्यंत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँगे। भारतीय मानक ब्यूरो के सतत प्रयासों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि हमें अपने राष्ट्रीय मानकों पर गर्व होना चाहिए जो हमारे जीवन को सरल और सुरक्षित बनाते है। अंत में उन्होंने सभी आमजन और इंडस्ट्री के लोगों को इस हेतु सतत प्रयास करने का आव्हान किया ताकि उदयपुर के सभी उद्योग जिसमें पयर्टन भी शामिल है अपने उत्पाद और सेवाओं की गुणवत्ता के लिए विश्वविख्यात हो जाये। उनके सानिध्य में सभी आगंतुकों को गुणवत्ता और मानकीकरण के लिए कटिबद्ध होने हेतु शपथ भी दिलवायी गयी। कनिका कालिया ने कहा कि इस स्टेकहोल्डर्स कॉन्क्लेव को आयोजित करने का मुख्य मंतव्य, मानकीकरण और गुणवत्ता की महत्ता को सभी हितधारकों में संविधर्त करना था ताकि मानकों की भूमिका के प्रति अधिक ध्यानाकर्षित किया जा सके। प्रो. मीरा माथुर ने भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) की राष्ट्रीय मानकीकरण में महती भूमिका की सराहना करते हुए शैक्षिणक संस्थानों को मानकीकरण में अधिक सक्रिय भूमिका निभाने के लिए आव्हान किया। डॉ. अविनाश पंवार ने कहा कि बीआईएस मानक क्लब गतिविधि से छात्रों में मानकों के प्रति जिज्ञासा में संवर्धन हुआ है जो आने वाले वर्षो में मानकों की बेहतरी के लिए अत्यंत फलदायी होगा। आभार प्रफुल्ल कोठारी, एमएलएसयू ने माना। तकनीकी सत्र में प्रमुख वक्ताओं आशु गुप्ता, वाइस प्रेजिडेंट, इंडियन सोसाइटी फॉर हीटिंग, रेफ्रिजरेशन एंड एयर कंडीशिनंग ने एचवीऐसी से सम्बंधित मानकों और नयी तकनीकों पर अपने विचार रखे। इस अवसर पर एसडीजी-9 के लक्ष्यों को अर्जित करने में मानकों की महत्वपूर्ण भूमिका पर भारतीय मानक ब्यूरो, मेसर्स सिक्योर मीटर्स मेसर्स हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड और मेसर्स अल्ट्राटेक सीमेंट के प्रतिभागियों ने भी अपने तकनीकी प्रेजेंटेशन दिए।

रग्बी प्रतियोगिता में राजसमन्द सेमीफाइनल मे

देवगढ़, (निसं)। कुचेरा मुंडवा नागौर में आयोजित हो रही 68वी राज्य स्तरीय 17 वर्ष व 19 वर्ष वर्ग की छात्र-छात्रा रग्बी फुटबॉल प्रतियोगिता में राजसमन्द जिले की 17 वर्ष छात्रा ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में अपना स्थान पक्का किया।टीम के मुख्य कोच जितेंद्र ने जानकारी देते हुए बताया कि 17 वर्ष छात्रा ने क्वार्टर फाइनल मैच में जयपुर शहर को 10-0से हराया राजसमन्द टीम की तरफ से कविता स्वादरी व मीना कीर ने 1-1ट्राई किया।कोच गोपाल सिंह शेखावत व चैन सिंह रावत के अनुसार 17 छात्र ,19वर्ष छात्रा व 19 वर्ष छात्र की टीम ने भी प्री क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह बना ली है।ज्ञात रहे कि राजसमन्द टीम ने अपने पहले के सारे मैच भी एक तरफा जीतते हुए अगले दौर में प्रवेश किया है।राजसमन्द रग्बी फुटबॉल संघ के सचिव नितिन तिवारी के अनुसार स्वादडी विद्यालय की कविता ने प्रत्येक मैच में टीम की तरफ से ट्राई कर टीम को जीत दिलाने में अपनी अहम भूमिका निभाई है।टीम के इस प्रदर्शन पर मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी मुकुट बिहारी शर्मा ,जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक नूतन प्रकाश जोशी, जिला शिक्षा अधिकारी प्रारम्भिक राजेन्द्र गग्गड,अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी शिव कुमार व्यास,उप जिला शिक्षा अधिकारी शारिरिक शिक्षा बाल मुकुंद वैष्णव,खेल केंद्र के प्रभारी मुकेश पालीवाल,श्याम सिंह सिसोदिया, जितेंद्र सिंह,ने टीम को शुभकामनाएं दी।

अगले सत्र से पेपरलैस होगी राजस्थान विधानसभा : देवनानी

उदयपुर, (कासं)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि राजस्थान विधानसभा में कई नवाचार किए जा रहे हैं। अगले सत्र से प्रदेश की विधानसभा पूरी तरह से पेपरलैस होगी। इसके लिए सदन में तकनीकी कार्य चल रहे हैं।

देवनानी उदयपुर प्रवास के दूसरे दिन सोमवार को सर्किट हाउस में आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने मीडिया को अवगत कराया कि विधानसभा में प्रत्येक विधायक की टेबल पर आईपेड सेट किए जा रहे हैं। इसके अलावा एक-एक आईपेड विधायकों को भी दिए जाएंगे ताकि वे अपने निवास से भी सदन से जुडे कार्य कर सकें। पेपरलैस व्यवस्था के तहत प्रश्न लगाने, जवाब देने से लेकर सभी कार्य ऑनलाइन ही संपादित किए जाएंगे। इसके अलावा विधायकों द्वारा सदन में बोलने पर त्वरित रूप से उन्हें पैनड्राईव में प्रोसेडिंग भी उपलब्ध कराने की शुरूआत कर दी है।

उन्होंने अवगत कराया कि राजस्थान की विधानसभा तुलनात्मक दृष्टि से बहुत अच्छी तरह से संचालित हो रही है। गत सत्र में विधायकों की ओर से प्रस्तुत प्रश्नों में से 92 फीसदी से अधिक के जवाब प्रस्तुत किए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि सभी विभागों के उच्चाधिकारियों को इसके लिए पत्र लिखें गए हैं, ताकि भविष्य में भी विधायकों के प्रश्नों का समय पर जवाब

- विधानसभा समितियों को जवाबदेह बनाने पर दिया जा रहा जोर
- विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की प्रेसवार्ता

दिया जा सके। विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने कहा कि विधानसभा में कई समितियां बनी हुई हैं। इन समितियों को जवाबदेही बनाने पर फोकस किया जा रहा है। इसके लिए सभी संबंधितों की बैठक ली हैं तथा पत्र भी लिखे जा रहे हैं। देवनानी ने कहा कि जब सदन नहीं चल रहा होता है तब कई काम समितियों के अधीन होते हैं। हमारा उद्देश्य है कि समितियों की नियमित बैठकें हों, सदस्यगण उसमें शामिल हों, ताकि जनता से जुडे मुद्दों और कार्यों को समय पर संपादन सुनिश्चित किया जा सके।

विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने कहा कि सदन में सकारात्मक एवं सृजनात्मक विषयों को बल देने के उद्देश्य से गत सत्र में नवाचार किया गया है। इसके तहत विधायकों को अपने-अपने क्षेत्र में हुए अच्छे कार्यों पर बोलने के लिए अवसर देने की पहल की। कुछ विधायकों ने अपनी बात रखी थी। आने वालों सत्रों में इसे बढ ावा देंगे, ताकि अच्छे कामों से सदन रूबरू हो और अच्छे कामों के लिए प्रेरित हो। देवनानी ने कहा कि पहले विधानसभा से आमजन की दूरियां रही हैं। लोगों के मन में यही भावना है कि विधानसभा में सिर्फ विधायकों का प्रवेश होता है। हमने विधानसभा के साथ जन जुडाव सुनिश्चित करने के लिए विधानसभा जन दर्शन की पहल की गई है। इसके तहत संपूर्ण सुरक्षा मानकों का ध्यान रखते हुए विधानसभा म्यूजियम को आमजन के लिए खोला गया है। पिछले 6 माह के दरम्यान 7 हजार से अधिक लोगों ने विधानसभा म्यूजियम देखा। इसके अलावा पर्यटन विभाग भी अपने ब्रॉशर पर विधानसभा जन दर्शन को शामिल कर रहा है। वहीं कॉलेज-स्कूलों में भी बच्चों को इससे अवगत कराया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक लोग विधानसभा म्यूजियम का अवलोकन कर राजस्थान की विधायिका के गौरवशाली अतीत से रूबरू हो सकें। देवनानी ने कहा कि हाल ही विधानसभा भवन में संपन्न हुए युवा संसद कार्यक्रम में युवाओं ने सराहनीय प्रदर्शन किया। कई युवाओं ने जनहित से जुडे महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर तार्किक बहस की। वहीं सत्ता पक्ष की भूमिका निभा रहे युवाओं ने भी संतोषप्रद प्रत्युत्तर दिए। इससे लोकतंत्र के उज्ज्वल भविष्य को लेकर आशान्वित व आश्वस्त हैं। विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने कहा कि सदन की गरिमा बनाए रखना सभी का सामूहिक उत्तरदायित्व है। पक्ष-विपक्ष दोनों को इसका ध्यान रखना चाहिए।

पहले से बेहतर हो गई है श्रीलंका की टीम, 13 अक्टूबर को टकराएंगी दोनों टीमें।
- शेफाली वर्मा

भारतीय महिला बल्लेबाज, श्रीलंका टीम की तारीफ करते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी नजमुल शंटो

पहले टेस्ट सीरीज गंवाई और अब बांग्लादेश क्रिकेट टीम को पहले टी20 मुकाबले में हार झेलनी पड़ी। दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 0-2 से क्लीनस्वीप झेलने के बाद बांग्लादेश की टीम के लिए टी20 इंटरनेशनल सीरीज की शुरुआत भी निराशाजनक रही है। पाकिस्तान दौरे पर 2-0 से टेस्ट सीरीज क्लीनस्वीप करके भारत दौरे पर आए बांग्लादेशी कप्तान पहले टी20 इंटरनेशनल मैच में भारत के खिलाफ जीत के बाद काफी नाराज नजर आए। पोस्ट मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने अपने बल्लेबाजों की जमकर क्लास भी लगाई।

क्या आप जानते हैं ?... क्रिकेट के इतिहास में केवल चार टेस्ट सीरीज बिना हार-जीत के समाप्त हुई। जिनका प्रत्येक मैच ड्रॉ रहा, इनमें से दो सीरीज लगातार भारत और पाकिस्तान के बीच हुई।

भारत की स्टार जिम्नास्टि दीपा कर्माकर ने लिया संन्यास

ओलंपिक में नहीं जीत पाई थी पदक

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर। भारत की स्टार जिमनास्ट दीपा कर्माकर ने अचानक संन्यास लेकर सबको चौंका दिया है। दीपा 2016 के रियो ओलंपिक में पदक से चूक गई थीं, उन्होंने पांचवां स्थान हासिल किया था। 31 वर्षीय दीपा ओलंपिक में हिस्सा लेने वाली भारत की पहली महिला जिमनास्ट बनीं थीं। उनका रियो ओलंपिक के वॉल्ट इवेंट में महज 0.15 पॉइंट से ओलंपिक में मेडल जीतने का सपना अधूरा रह गया था।

वहीं दीपा ने संन्यास को लेकर एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि, बहुत सोच-समझ कर मैंने जिमनास्टिक से संन्यास लेने का फैसला किया है। ये कोई आसान फैसला नहीं, लेकिन मुझे लगता है कि ये सही वक्त है। जब से मैं याद कर सकती हूं जिमनास्टिक

मेरे जीवन का केंद्र रहा और मैं उतार-चढ़ाव और बीच की हर चीज के लिए आभारी हूं।

दीपा ने 2014 के कॉमनवेल्थ गेम्स में कांस्य पदक जीता था और ऐसा करने वाली भारत की पहली जिमनास्ट बनीं थीं। उन्होंने अपने सफर को लेकर कहा कि, जब मैं पीछे मुड़कर देखती हूं तो मुझे अपनी हर उपलब्धि पर गर्व महसूस होता है।

विश्व मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करना, पदक जीतना और सबसे यादगार, रियो ओलंपिक में प्रोडुनोवा वॉल्ट का प्रदर्शन करना। हमेशा मेरे करियर के शिखर के रूप में याद किया जाएगा। ये पल सिर्फ मेरे लिए जीत नहीं थे, ये भारत की हर उस युवा लड़की की जीत थी जिसने सपने देखने की हिम्मत की, जिसने माना की कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प से कुछ भी संभव है।

भारत की अंडर-19 टीम ने दूसरे टेस्ट के पहले दिन बनाये 316 रन

चेन्नई, 7 अक्टूबर। नित्या पांडे (94), केपी कार्तिकेय (71), निखिल कुमार (61) और कप्तान सोहम पटवर्धन (नाबाद 61) की अर्धशतकीय पारियों के दम पर भारत अंडर-19 टीम ने सोमवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले जा दूसरे चार दिवसीय टेस्ट मैच में पहले दिन पांच विकेट पर 316 स्कोर खड़ा कर मैच पर अपनी मजबूत पकड़ बना ली है। आज यहां चेपक स्टेडियम में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और केवल चार रन के स्कोर पर वैभव सूर्यवंशी (3) आउट होकर वापस पैवेलियन लौट गए। वैभव को होकेस्ट्रा ने ली यंग के हाथों आउट करा ऑस्ट्रेलिया को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद विहान मल्होत्रा एवं नित्या पांड्या ने दूसरे विकेट के लिए 60 रन जोड़े। मल्होत्रा (10) को रामकुमार ने बोल्ड आउट कर दिया।

भारतीय महिला टीम का पाक को हराकर भी सेमीफाइनल में पहुंचना मुश्किल

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर। महिला टी-20 वर्ल्ड कप में भारत ने अपने दूसरे मुकाबले में पाकिस्तान को 6 विकेट से हराते हुए शानदार जीत दर्ज की। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारतीय टीम ने इस जीत के साथ टूर्नामेंट में वापसी की, क्योंकि इससे पहले उन्हें न्यूजीलैंड के हाथों 58 रनों की करारी हार का सामना करना पड़ा था। लेकिन पाकिस्तान के खिलाफ मिली जीत के बावजूद, टीम इंडिया के लिए सेमीफाइनल की राह आसान नहीं है। सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए टीम इंडिया को कई समीकरणों को अपने पक्ष में करना होगा। अगला मुकाबला भारत का श्रीलंका के खिलाफ होगा, जो टीम के लिए करो या मरो की स्थिति जैसा है। भारतीय टीम को इस मुकाबले में जीत हासिल करनी होगी, लेकिन सिर्फ जीत ही काफी नहीं होगी। टीम को अपने नेट रन रेट में भी सुधार करना होगा। जो कि पहले मुकाबले में न्यूजीलैंड से 58 रन की हार के बाद काफी खराब हो गया था। नेट रन रेट भारतीय टीम के सेमीफाइनल में पहुंचने की राह में सबसे बड़ी चुनौती है। इसके बाद, भारतीय टीम का सामना ऑस्ट्रेलिया से होगा। ये मुकाबला बेहद अहम होगा, क्योंकि भारत को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी।

मयंक और नीतीश ने कहा, सूर्यकुमार शांतचित्त कप्तान हैं, जो खिलाड़ियों को पूरी आजादी देते है

ग्वालियर, 7 अक्टूबर। मयंक यादव और नितीश कुमार रेड्डी बांग्लादेश के खिलाफ पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में भारत के लिए पदार्पण करने से पहले थोड़ा नर्वस थे लेकिन उन्होंने कहा कि कप्तान सूर्यकुमार यादव ने लगातार उनका हौसला बढ़ाया जिससे उन्हें शांत बने रहने में मदद मिली। मयंक और नीतीश दोनों 21 साल के हैं और उन्होंने अपने पहले अंतरराष्ट्रीय मैच में अपने कौशल का प्रभाव छोड़ा।

तेज गेंदबाज मयंक ने इस साल आईपीएल में अपनी रफ्तार से क्रिकेट जगत का ध्यान खींचा था लेकिन पेट की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण वह इस टूर्नामेंट में केवल चार मैच ही खेल पाए थे।उन्होंने अपने पहले अंतराष्ट्रीय मैच में चार ओवर में 21 रन देकर एक विकेट लिया। नितीश ने भी 15 गेंदों पर नाबाद 16 रन बनाकर अपना प्रभाव छोड़ा। भारत ने यह मैच सात विकेट से जीता। मयंक ने बीसीसीआई टीवी से कहा,,"वह (सूर्यकुमार) आपको पूरी आजादी देते हैं। जब मैं रन अप पर जा रहा था तो उन्होंने मुझसे कहा कि वही करो

जो तुम्हें अच्छा लगता है। यह किसी भी तेज गेंदबाज के लिए बेहद महत्वपूर्ण होता है विशेषकर तब जबकि आप आप अपना पहला मैच खेल रहे हों।" नितीश ने भी सूर्यकुमार की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा,"वह बहुत शांतचित्त कप्तान हैं। वह बहुत अच्छी कप्तानी कर रहे हैं। उन्होंने हम पर किसी तरह का कोई दबाव नहीं बनने दिया। हम अपना पहला मैच खेल रहे थे और थोड़ा नर्वस थे लेकिन उन्होंने हमें खुलकर खेलने की छूट दी। कोई भी खिलाड़ी अपने कप्तान से यही चाहता है।" मयंक चार महीने तक बाहर रहने के बाद अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने से पहले भावुक हो गए थे।

पाकिस्तान के हाथ से चली जाएगी चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 की मेजबानी

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की मेजबानी पाकिस्तान को सौंपी गई है, लेकिन अब पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष मोहसिन रजा नकवी का बयान चर्चा का केंद्र बन गया है। भारत ने अब तक रुख स्पष्ट नहीं किया है कि वो अपनी टीम को चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान भेजेगा या नहीं। इस बीच मोहसिन नकवी का बयान संकेत दे रहा है कि पाकिस्तान को शायद चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी खोने का डर सता रहा है।मोहसिन नकवी ने कहा कि, भारतीय टीम को यहां जरूर आना चाहिए। मुझे ऐसा नहीं लगता कि टीम इंडिया यहां आना कैंसिल करेगी या अपने प्लान को स्थगित कर देगी।

हमें पूर्ण विश्वास है कि चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन पाकिस्तान में ही होगा। नकवी ने आगे ये भी कहा कि पाकिस्तान, भारत समेत अन्य सभी टीमों को आवभगत के लिए पूरी तरह तैयार है और चैंपियंस ट्रॉफी की तैयारियां समयानुसार चल रही हैं। पीसीबी आश्वस्त हैं कि पाकिस्तान के मैदान फरवरी के समय तक बहुत अच्छी हालत में आ चुके होंगे।

हार्दिक पांड्या ने तोड़ा कोहली का रिकॉर्ड, रोहित की बराबरी की

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर। ग्वालियर में भारत और बांग्लादेश के बीच तीन मैचों की टी20 सीरीज का पहला मैच खेला गया जहां टीम इंडिया ने सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में मेजबान टीम को 7 विकेट से जीत मिली। इस मुकाबले में भारतीय टीम के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या का ऑलराउंडर प्रदर्शन देखने को मिला। उन्होंने इस मैच में विकेट भी झटके और भारत के लिए मैच जिताऊ पारी भी खेली। उन्होंने छक्का लगाकर विराट कोहली का रिकॉर्ड तोड़ दिया साथ ही युवराज सिंह को पछाड़ कर रोहित शर्मा की बराबरी भी कर ली।हार्दिक ने बांग्लादेश के खिलाफ इस मैच में 16 गेंदों पर 2 छक्के और 5 चौकों की मदद से नाबाद 39 रन की पारी खेली और इस दौरान उन्होंने भारत के लिए विजयी छक्का भी लगाया। हार्दिक ने भारत को टी20 में 5वीं बार छक्का लगाकर जीत दिलाने का काम किया और विराट कोहली से आगे निकल गए। कोहली ने भारत को टी20 में 4 बार छक्का लगाकर जीत दिलाने का काम किया था, लेकिन हार्दिक ने ऐसा 5वीं बार करते हुए उन्हें पीछे छोड़ दिया।

स्टेट स्नूकर में डॉक्टर धीरज व निपुण तोमर ने वरीयता लुढ़काई

जयपुर, 7 अक्टूबर। श्री मुरारी मेघानी राज्य स्तरीय स्नूकर प्रतियोगिता में आज डॉक्टर धीरज ने धैर्य से खेलते हुए अपने शानदार गेम का प्रदर्शन कर गतबार के सेमी फाइनलिस्ट मनन चौधरी को 65-36, 40 -36 से परास्त किया वही निपुण तोमर ने एक शानदार रोमांचक मैच में गतबार के क्वार्टर फाइनलिस्ट मनीष खत्री को तीन सेटों में 47-51, 61-53 ,64 -58 से हराया प्रतियोगिता के स्टार खिलाड़ी आदित्य गोयंका ने सुकुमार को बेहतर72- 24,71-47 से हरा प्री क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। प्रतियोगिता में आकाश वाधवानी ने निखिल मेघवानी के सामने प्रतियोगिता का हाईएस्ट 54 पॉइंट का ब्रेक लगाकर निखिल को 68-31 71-03 से परास्त किया आयोजन सचिव कुणाल मनचंदा के अनुसार जतिन वाधवानी मोहित माथुर अमित जैन ओविश कामरान प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं तथा मोहित सिंह अपने अगले राउंड में पहुंचे।

अंतर महाविद्यालय कबड्डी प्रतियोगिता 2024-25 का शुभारंभ

जयपुर, 7 अक्टूबर। खेल बोर्ड, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर के अन्तर महाविद्यालय प्रतियोगिता सत्र 2024-25 का शुभारम्भ हो चुका है। इस अन्तर महाविद्यालय प्रतियोगिताओं के द्वारा राजस्थान विश्वविद्यालय कुल 34 खेलो में पश्चिमी क्षेत्रिय अंतर विश्वविद्यालय प्रतियोगिता हेतु अपनी टीम का गठन की जाऐगी। इस प्रक्रिया में 7 से 11 अक्टूबर तक अन्तर महाविद्यालय कबड्डी प्रतियोगिता (पुरुष/ महिला) का आयोजन किया जा रहा है जिसका उद्घाटन आज खेल बोर्ड में राजस्थान विश्वविद्यालय, कुलपति, प्रो. अल्पना कटेजा की अध्यक्षता में किया गया। डॉ. प्रीति शर्मा, सचिव खेल बोर्ड, ने बताया कि प्रतियोगिता मे राजस्थान विश्वविद्यालय से सम्बंधित कबड्डी (पुरूष/ महिला) वर्ग में लगभग 100 से अधिक टीमें प्रतिभागिता करेगी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक विराटनगर राजस्थान विश्वविद्यालय के सिंडिकेट सदस्य, राजस्थान विश्वविद्यालय खेल बोर्ड के अध्यक्ष कुलदीप धनकड़ रहे। उन्होने अपने व्यक्तित्व में राजस्थान विश्वविद्यालय के खेल बोर्ड में मौजूदा सुविधाओं को बढाने का आश्वासन दिया। साथ ही कहा कि खेल की गतिविधियो को सुचारू तथा निष्पक्ष तरीके से चलाने अपना पुर्ण सहयोग देंगें। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि आरपीएस पुलिस उप अधीक्षक प्रभारी अधिकारी स्पोर्टस, राजस्थान पुलिस राजूलाल चौधरी रहें।

उदयपुर में चौथे नेशनल फिजिकल डिसेबिलिटी क्रिकेट चैम्पियनशिप का 15 से होगा शुभारम्भ

जयपुर, 7 अक्टूबर। 40 वर्षों से दिव्यांगता के क्षेत्र में जुटी और दिव्यांग प्रतिभाओं के लिए 5 बार नेशनल प्रतियोगिता आयोजित कर चुके डिफरेंटली एबल्ड क्रिकेट काउंसिल ऑफ इंडिया (डीसीसीआई) और नारायण सेवा संस्थान (एनएसएस) के तत्वावधान में चौथे नेशनल फिजिकल डिसेबिलिटी टी-20 क्रिकेट चैंपियनशिप-2024 का आयोजन उदयपुर में किया जाएगा।इस प्रतियोगिता में 24 राज्यों के 400 दिव्यांग क्रिकेटर्स और 100 से अधिक खेल अधिकारी हिस्सा लेंगे। उदयपुर शहर के 5 ग्राउंड में 67 मैच खेले जाएंगे। सभी मैच 20-20 ओवर के होंगे। प्रतियोगिता 15 से 25 अक्टूबर तक चलेगी। चैंपियनशिप के पोस्टर और ट्रॉफी का विमोचन डीसीसीआई के महासचिव रवि चौहान, महाराज प्रताप सिहं चौहान खाटूश्याम जी कमिटी के अध्यक्ष और पीडी एंड व्हीलचेयर क्रिकेट के चीफ पैट्रन, राजस्थान डिसेबल (डिफरेंटली एबल्ड) क्रिकेट एसोसिएशन (आरडीसीए) की प्रेसिडेंट ज्योत्सना चौधरी और नारायण सेवा के पदाधिकारी जनसम्पर्क प्रमुख भगवान प्रसाद गौड़ एवं मीडिया प्रभारी विष्णु शर्मा हितैषी ने किया।इस अवसर पर बीसीसीआई के महासचिव रवि चौहान ने कहा कि ये सभी खिलाड़ी 18 वर्ष से अधिक आयुवर्ग के हैं। इस चैंपियनशिप में ज्यादातर खिलाड़ी एक हाथ या एक पैर से अथवा जन्मजात शारीरिक दिव्यांगता से ग्रस्त है। 24 टीमें लेंगी हिस्सा - राजस्थान, केरल, दिल्ली, महाराष्ट्र, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, कर्नाटक, हैदराबाद, आंध्र प्रदेश, पंजाब, जम्मू कश्मीर, बड़ौदा, हरियाणा, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, गुजरात, मुंबई, छत्तीसगढ़, ओडिशा, चंडीगढ़, पश्चिम बंगाल, विदर्भ, तमिलनाडु, और बिहार। 5 ग्राउंड में होंगे 67 मैच, उद्घाटन और समापन फील्ड क्लब में - इस 11 दिवसीय दिव्यांग प्रतिभा के क्रिकेट कुंभ का भव्य शुभारम्भ 15 अक्टूबर मंगलवार को प्रातः 11 बजे फील्ड क्लब तथा समापन समारोह इसी ग्राउंड पर 25 अक्टूबर को प्रातः 11 बजे होगा।

राजधानी

मुख्यमंत्री ने नाहरगढ़ में टाइगर सफारी का लोकार्पण किया

उन्होंने आशा जताई कि इससे पर्यटन को नई शुरूआत मिलेगी व बाघ संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को जयपुर के नाहरगढ़ में फीता काटकर टाइगर सफारी का शुभारम्भ किया। प्रदेशवासियों को मिली इस सौगात से अब वन्य जीव प्रेमी नाहरगढ़ में टाइगर सफारी का आनंद ले सकेंगे। मुख्यमंत्री ने नाहरगढ़ जैविक उद्यान में दो बाघ शावकों का नामकरण भी किया। उन्होंने मादा बाघ शावक का नाम "स्कंदी" तथा नर बाघ शावक का नाम "भीम" रखा।

शर्मा ने प्रदेशवासियों को 2 अक्टूबर से 8 अक्टूबर तक मनाए जा रहे वन्य जीव सप्ताह की बधाई देते हुए कहा कि वन्य जीवों की रक्षा तथा प्रकृति को संजोए रखना हम सभी का कत्तर्व्य है।

उपमुख्यमंत्री और पर्यटन मंत्री दिया कुमारी तथा शासन सचिव पर्यटन रवि जैन की उपस्थिति में राजस्थान पर्यटन विकास निगम और हुडको की ओर से सोमवार को सचिवालय में आरटीडीसी की प्रबंध निदेशक सुषमा अरोड़ा और हुडको के क्षेत्रीय प्रमुख सुधीर भटनागर के मध्य एमओयू का आदान प्रदान किया गया।

उन्होंने कहा, वन्यजीव सप्ताह में विद्यार्थियों को बायोलॉजिकल पार्क में निःशुल्क प्रवेश दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वन विभाग और जेडीए के संयुक्त प्रयासों से सोमवार को शुरू हो रही टाइगर सफारी से प्रदेश में पर्यटन को एक नई शुरूआत मिली है और इससे बाघों के संरक्षण एवं संवर्धन को भी बढ़ावा मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान, वन्यजीवों के संरक्षण, संवर्धन पर विशेष जोर दे रहा है। प्रदेश में तीन नेशनल पार्क, 26 अभयारण्य, 36 कन्ज़र्वेशन रिज़र्व तथा 4 बायोलॉजिकल पार्क विकसित किए गए हैं।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा बाघों के संरक्षण के निरंतर किए जा रहे प्रयासों से उनकी आबादी बढ़ रही है। राजस्थान में लगभग 130 बाघ हैं। जे.डी.ए. ने जयपुर जिले में दो नए पार्क विकसित किए हैं, जिनमें जीरोता में नगर वन एवं नेवटा के पास बायोडायवर्सिटी पार्क शामिल हैं। इससे आसपास की 5 लाख की आबादी लाभान्वित होगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को नाहरगढ़ जैविक उद्यान में रोशनी एवं वन्यजीवों के लिए पानी तथा उद्यान के समुचित रख-रखाव के लिए कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए।

इससे पहले उन्होंने परिसर में "एक पेड़ मां के नाम" अभियान के तहत पौधारोपण किया। उन्होंने इस दौरान विभिन्न स्कूलों से जैविक उद्यान में भ्रमण हेतु आए बच्चों से मुलाकात भी की। उल्लेखनीय है कि नाहरगढ़ वन्य जीव अभयारण्य 5 हजार 240 हेक्टेयर में फैला हुआ है, जिसमें नाहरगढ़ जैविक उद्यान 720 हेक्टेयर में विकसित किया गया है। इसमें पहले से ही लॉयन सफारी संचालित है। समारोह में नगरीय विकास राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा, वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा, विधायक प्रशांत शर्मा, जयपुर नगर निगम (हेरिटेज) महापौर कुसुम यादव, प्रधान मुख्य वन संरक्षक अरिजीत बनर्जी सहित वन्य जीव प्रेमी उपस्थित थे।

'कांग्रेस सोशल मीडिया में बेहतर काम करने वालों को मोबाइल मिलेगा'

जयपुर, (का.प्र.)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस सोशल मीडिया एवं डिजिटल प्लेटफार्म की प्रदेश कार्यकारिणी एवं जिलाध्यक्षों की बैठक को सम्बोधित करते हुये प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने कहा कि प्रदेश की जनता के समक्ष केन्द्र एवं प्रदेश की भाजपा सरकार की विफलताओं को उजागर करने में सोशल मीडिया एक महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने कहा कि सभी पदाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र में अंतिम स्थान तक बैठे हुये व्यक्ति तक सूचना प्रौद्योगिकी का लाभ लेते हुये केन्द्र एवं प्रदेश की भाजपा सरकार के जनविरोधी कार्यों को पहुँचाने के साथ ही देश एवं प्रदेश के विकास के लिये कांग्रेस के वीजन से प्रदेशवासियों को अवगत करवाना होगा। डोटासरा ने घोषणा की कि सोशल मीडिया विभाग के पदाधिकारियों से प्रतिवर्ष विभाग के सबसे बेहतर कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों को राजस्थान प्रदेश कांग्रेस द्वारा सम्मानित किया जायेगा तथा इन दस सर्वश्रेष्ठ कार्यकर्ताओं को पुरूस्कार स्वरूप मोबाईल प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा की प्रदेश सरकार जिस तरह से जनता की अनदेखी कर रही है, यह प्रदेशवासियों से छुपा हुआ नहीं है तथा आगामी सात विधानसभा उप चुनावों में भाजपा की सातों सीटों पर हार तय है। उन्होंने कहा कि सातों सीटों पर विधानसभा उप चुनाव में सोशल मीडिया विभाग के सर्वश्रेष्ठ कार्य करने वाले सात पदाधिकारियों को प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा सम्मान स्वरूप एक-एक मोबाईल दिया जायेगा।

'मैंने सोशल मीडिया पर चार शब्द क्या लिख दिए, भाजपा में हड़कंप मच गया'

जयपुर, (का.प्र.)। ट्वीट करके राजस्थान में सियासी गर्मी बढ़ाने वाली कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने सोमवार को जयपुर में कहा कि "मैंने सोशल मीडिया पर चार शब्द क्या लिख दिए, भाजपा में हड़कंप मच गया और स्पष्टीकरण दिया जा रहा है। जब आरोप ही नहीं लगा तो स्पष्टीकरण क्यों दिया जा रहा है।

■ जयपुर में बोली कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत, "जब आरोप ही नहीं लगा तो स्पष्टीकरण क्यों दिया जा रहा है"

पीसीसी में सोशल मीडिया कार्यशाला के बाद मीडिया से बात करते हुए सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि यह कौन सा उड़ता तीर है, जो भाजपा पकड़ रही है। मुझे पता नहीं। मैंने तो किसी का नाम नहीं लिया तो क्लीन चिट किसे दी जा रही है? क्या यह चोर की दाढ़ी में तिनका नहीं है।

मैंने बिना किसी का नाम लिए चार शब्द लिख दिए। भाजपा में उन चार शब्दों से हड़कंप मच जाता है। क्यों मच जाता है? मुझे तो इसका अंदाजा नहीं है। इसका मतलब है कि वह खुद कुछ कंकाल ऐसे लेकर बैठे हैं। उन्होंने कहा कि आरोप क्या लगाया है, मैंने केवल चार-पांच शब्द लिखे हैं। इधर से स्पष्टीकरण दिया जा रहा है। जब आरोप ही नहीं लगा तो स्पष्टीकरण क्यों दिया जा रहा है। मैंने कहां कहा कि "बिलो द बेल्ट।"

सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि मैं जयपुर या दिल्ली शहर लिख दूं तो कोई वार किया क्या? मैंने चार शब्द लिखे तो भाजपा को क्यों लगता है कि उनके साथ ऐसा हुआ। मेरे मन में आया रशिया-यूक्रेन का युद्ध चल रहा है। दिल्ली में रहती हूं।

अनियमितताओं पर दोषियों पर तत्काल कार्रवाई करें, लीपापोती नहीं : गौतम कुमार दक

जयपुर। सहकारिता मंत्री गौतम कुमार दक ने कहा कि सहकारी समितियों में अनियमितताओं और फर्जीवाड़े के प्रकरणों से आमजन का सहकारिता में विश्वास कम होता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए की ऐसे प्रकरण सामने आते ही दोषियों के प्रति बिना सहानुभूति रखते हुए अविलम्ब कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।

सहकारिता मंत्री सोमवार को अपेक्स बैंक सभागार में राजस्थान सहकारी सोसायटी अधिनियम - 2001 की धारा 55, 57 (1) और 57 (2) के तहत लंबित प्रकरणों की समीक्षा कर रहे थे। इस मैराथन बैठक में लम्बे समय से पेंडिंग चल रहे करीब 300 प्रकरणों की खण्डवार और प्रकरणवार विस्तार से समीक्षा की गई। सहकारिता मंत्री ने प्रकरणों की जांच में देरी पर नाराजगी व्यक्त करते हुए समयबद्ध कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने लम्बित जांच प्रकरणों में जांच अधिकारियों के लिए समय सीमा भी निर्धारित की। श्री दक ने कहा कि अनियमितताओं के प्रकरणों में होने वाली कार्यवाही नजीर बननी चाहिए। इसके लिए जांच अधिकारी ऐसे प्रकरणों में लीपापोती करने के बजाय पूरी ईमानदारी से अपना काम करें।

दक ने निर्देश दिए कि सहकारी समितियों की आम सभा में राजकीय प्रतिनिधि की उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। इससे फर्जीवाड़े के प्रकरणों पर काफी हद तक लगाम लगेगी। उन्होंने कहा कि यदि समिति में फर्जीवाड़ा साबित होता है, तो आरोपियों के विरुद्ध तत्काल प्राथमिकी दर्ज करवाई जाए।

सहकारिता मंत्री ने देरी वाले प्रकरणों में जांच अधिकारी बदलने एवं जांच की समय सीमा निर्धारित करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसी भी समिति में अनियमितता पाए जाने पर सम्पत्ति का अटैचमेंट बिफोर अवार्ड तुरन्त किया जाए, जिससे सम्पत्ति को खुर्द-बुर्द नहीं किया जा सके।

सहकारिता मंत्री ने कहा कि रिपोर्ट आने के बाद तत्काल जांच परिणाम जारी होना चाहिए। साथ ही, जांच परिणाम आने के बाद वरिष्ठ अधिकारी तथ्यों की अच्छी तरह जांच-परख कर लें।

समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने नदियों की इन्ट्रास्टेट लिंकिंग पर जोर दिया

उन्होंने कहा कि पेयजल व सिंचाई के लिये जल उपलब्धता सर्वोच्च प्राथमिकता है

जयपुर, 7 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश में पेयजल एवं सिंचाई के लिए जल उपलब्धता राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में इंट्रास्टेट नदियों को जोड़ने का कार्य व्यापक स्तर पर किया जाए एवं जन सहभागिता के माध्यम से जल संचय को बढ़ावा दिया जाए। जल संसाधन से जुड़ी परियोजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग एवं क्रियान्वयन समयबद्ध रूप से सुनिश्चित किया जाए।

शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में जल संसाधन, इंदिरा गांधी नहर एवं सिंचित क्षेत्र विकास एवं जल उपयोगिता विभाग से संबंधित विभिन्न परियोजनाओं एवं कार्यों पर आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि परियोजनाओं के कार्य में अनावश्यक देरी करने वाले ठेकेदारों एवं अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाए।

मुख्यमंत्री ने बजट घोषणाओं की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि माही बेसिन की जाखम नदी एवं बांध के अधिशेष जल को जयसमंद बांध से जोड़ने तथा माही व सोम नदी के अधिशेष जल को जवाई बांध तक लाने की बजट घोषणाओं की प्रोजेक्ट रिपोर्ट आगामी 4 माह में पूरी कर ली जाए, ताकि आगामी वर्ष के बजट में इन परियोजनाओं को मूर्त रूप दिया जा सके। इसी क्रम में शर्मा ने राणा प्रताप सागर व जवाहर सागर बांध के जल अपवर्तन कार्य की बजट घोषणा की अनुपालना में ब्राह्मणी नदी पर बनाए जाने वाले बांध के निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने डूंगरी बांध एवं ईसरदा बांध के ऊपरी भाग में फ्लेप निर्माण के लिए भूमि अवाप्ति की कार्यवाही शीघ्र शुरू करने तथा प्रभावित क्षेत्र में आने वाले लोगों को समुचित मुआवजा उपलब्ध करवाने के निर्देश भी दिए।

शर्मा ने 500 करोड़ रुपए से अधिक की लागत की विभिन्न परियोजनाओं की भौतिक प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने परवन परियोजना के संबंध में निर्देश दिए कि इस परियोजना में जल संग्रहण के लिए बांध निर्माण कार्य तथा जलापूर्ति के लिए नहर निर्माण के होने वाले कार्यों को एक साथ ही कर लिया जाए क्योंकि किसी भी परियोजना में अनावश्यक विलम्ब से उसकी लागत में भी बढ़ोतरी होती है। उन्होंने धौलपुर लिफ्ट सिंचाई व पेयजल परियोजना के कार्य को नियत समय पर पूरा करने एवं अपर हाई लेवल कैनाल परियोजना बांसवाड़ा की रिडिजाइन करवाने के निर्देश दिए।

बैठक में मुख्यमंत्री ने इंदिरा गांधी नहर विभाग की मुख्य नहर पर बने चार प्राकृतिक डिप्रेशन्स को जलाशयों में परिवर्तित किए जाने की योजना की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि इस प्रोजेक्ट को स्थानीय योजनाओं के आधार पर पी.एच.ई.डी. के माध्यम से पूरी किए जाने की विकल्प पर विचार किया जाए। साथ ही, उन्होंने बाह्य ऋण की सहायता से संचालित परियोजनाओं में होने वाले जीर्णोद्धार कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। केन्द्रीय प्रवर्तित योजनाओं के माध्यम से संचालित परियोजनाओं की समीक्षा भी की।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री कार्यालय में जलसंसाधन, इंदिरा गांधी नहर एवं सिंचित क्षेत्र विकास व जल उपयोगिता विभाग से संबंधित विभिन्न परियोजनाओं एवं कार्यों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

- **उन्होंने, जाखम बांध को जयसमन्द से जोड़ने तथा अतिरिक्त पानी को जवाई बांध में लाने की डीपीआर 4 माह में पूरी करने के निर्देश दिये।**
- **मुख्यमंत्री ने डूंगरी तथा ईसरदा बांध में फ्लेप निर्माण के लिये भूमि अवाप्ति कार्यवाही जल्द पूरी करने के भी आदेश जारी किए।**

बैठक में भजनलाल शर्मा ने संशोधित के.पी.सी.-ई.आर.सी.पी. प्रथम चरण में प्रस्तावित कार्यों की प्रगति एवं इस परियोजना में पेयजल एवं औद्योगिक जल उपयोगिता सहित अन्य बिंदुओं पर चर्चा की। उन्होंने इस परियोजना में नीमराणा एवं घिलोट जापानी औद्योगिक क्षेत्र के लिए जल उपयोगिता के बिंदुओं को शामिल किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने देवास परियोजना तृतीय एवं चतुर्थ के प्रगतिरत कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए विकास कार्यों में तेजी लाने के निर्देश प्रदान किए।

इस अवसर पर जल संसाधन मंत्री श्री सुरेश सिंह रावत, अतिरिक्त मुख्य सचिव जल संसाधन अभय कुमार, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय शिखर अग्रवाल, इंदिरा गांधी नहर बोर्ड अध्यक्ष कुंजीलाल मीणा, सहित संबंधित विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

सूरत आदिवासी आश्रम में प्रिंसिपल द्वारा 35 छात्राओं का यौन शोषण

सूरत, 07 अक्टूबर। गुजरात में सूरत जिले के नरेना आश्रम शाला में छात्राओं के यौन शोषण का मामला सामने आया है।

सोमवार को आदिवासी विकास विभाग की टीम निरीक्षण के लिए शाला पहुंची तो महिला अधिकारियों को छात्राओं ने बताया कि प्रिंसिपल रात में टॉर्च लेकर उनके कमरे में पहुंच जाता था। वह उन्हें नहाते हुए भी देखता था।

- **आदिवासी विकास विभाग टीम के निरीक्षण में छात्राओं ने महिला अधिकारियों को आपबीती सुनाई।**

दवा देने के बहाने उनके साथ छेड़छाड़ करता था।

जानकारी के अनुसार, आरोपी ने पांच-पांच, छह-छह छात्राओं के कई ग्रुप बना रखे थे, जिनसे आश्रम के अलग-अलग काम भी करवाता था। इस दौरान वह किसी न किसी बहाने उनके प्राइवेट पार्ट छूता था और उन्हें किस भी करता था।

'एस.एम.एस...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सुनवाई के दौरान, अदालती आदेश की पालना में प्रमुख खेल सचिव नीरज के पवन अदालत में पेश हुए। वहीं, याचिकाकर्ताओं की ओर से कहा गया कि मामले दर्ज एफ.आई.आर. में कार्रवाई पर रोक लगाई जाए। इस पर अदालत ने कहा कि फिलहाल अदालत कोई रोक नहीं लगा रही है। याचिकाकर्ता चाहे तो अग्रिम जमानत के लिए प्रार्थना पत्र पेश कर सकते हैं। इस दौरान महाधिवक्ता ने अदालत को बताया कि राज्य सरकार व आर.सी.ए. के बीच स्टेडियम के संचालन के लिए पहले एम.ओ.यू. हुआ था और इसकी अवधि समय-समय पर बढती गई। फिलहाल राज्य सरकार का आर.सी.ए. के साथ कोई एम.ओ.यू. नहीं है। स्टेडियम में बाकी खेल गतिविधियां चल रही हैं। गौरतलब कि एडहॉक कमेटी ने भवानी शंकर सामोता सहित अन्य के खिलाफ ज्योति नगर थाने में एफ.आई.आर. दर्ज करवाकर करोड़ों रुपए का फर्जीवाड़ा करने का आरोप लगाया है।

पायलट उद्योगपति सईदी के घर मातृ शोक में शरीक हुए

टोंक में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने विश्वास जताया कि जम्मू-कश्मीर, हरियाणा में कांग्रेस सरकार बनेगी

एक दिवसीय टोंक दौरे पर पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने पत्रकार वार्ता में पूरे आत्मविश्वास से कहा कि जम्मू-कश्मीर व हरियाणा में कांग्रेस की सरकार बनने जा रही है।

टोंक, 7 अक्टूबर। एक दिवसीय दौरे पर आये टोंक विधायक, छत्तीसगढ प्रभारी व पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने यहां पूरे आत्मविश्वास के साथ कहा कि जम्मू-कश्मीर व हरियाणा में 80 फीसदी से अधिक मतदान हुआ, ये स्पष्ट संकेत है कि कांग्रेस इन दोनो राज्यों में अपनी सरकार बनाने जा रही है।

सचिन पायलट ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि भाजपा द्वारा जम्मू-कश्मीर में कई तरह की सियासी चाले चलीं गई, वहां भी हमारे एलांयस को ही स्पष्ट बहुमत मिलेगा। वहां के लोगो ने 10 साल बाद चुनावों में कांग्रेस एलायंस को समर्थन दिया है। दोनों राज्यों के चुनाव बदलाव के चुनाव हैं, हमारी पार्टी में एक विशेष प्रक्रिया है, जिसके अनुसार नेतृत्व का निर्णय किया जाता है, पायलट ने कहा कि जो पार्टी वन नेशन वन इलेक्शन की बात कर रही है, वही अभी अन्य राज्यों में चुनाव होने बाकी है। हमें उम्मीद है कि उनके साथ ही, हमारी सात विधानसभा सीटों पर तारीख तय होगी।

- **उन्होंने कहा, भाजपा ने जम्मू-कश्मीर में कई सियासी चालें चलीं, पर, हमारे अलायन्स को स्पष्ट बहुमत मिलेगा।**

इसी प्रकार उत्तरप्रदेश में भी 10 विधानसभा सीटों सहित कई लोकसभा सीटें भी खाली पड़ी हैं। पायलट अपने एक दिवसीय दौरे में जिले के नामचीन उद्योपति जमील सईदी व कांग्रेस प्रदेश कार्य कमेटी के सदस्य सउद सईदी को मातृ शोक होने पर उनके निवास पर पंहुचे एवं शोक संतप्त परिवार को सांत्वना प्रदान की।

तीन हत्यारों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ईदगाह के पास बांस बदनपुरा के निवासी हैं। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्तों को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया। सुनवाई के दौरान अदालत के सामने आया कि अभियुक्त और मृतक के बीच पुरानी रंजिश चल रही थी। इसके चलते अभियुक्तों ने अकेला देखकर उसकी हत्या कर दी।

नया विवाद ना हो ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कार्यक्रम भी तय हो गया है। वे राजकार्य करने के बाद बिना देरी किए वापस आ जाएंगे। पूर्व में भी इस संबंध में एक व्यक्ति सांवरमल ने एक प्रार्थना पत्र पेश किया था, जो कोर्ट में पेंडिंग है। उन्होंने अग्रिम जमानत की शर्तों की अवहेलना नहीं की है। केस में कोई नया विवाद या नई पेचीदगियां पैदा नहीं हों, इसके लिए कोर्ट से विदेश जाने की मंजूरी लेने के लिए प्रार्थना पत्र दायर किया है। इसलिए उन्हें विदेश जाने की मंजूरी दी जाए। गौरतलब है कि जिले की एडीजे कोर्ट-4 में पेंडिंग चल रहे भरतपुर के गोपालगढ में सितंबर 2011 में हुए साम्प्रदायिक दंगा मामले में भजनलाल शर्मा सहित अन्य आरोपियों को 10 सितंबर, 2013 को कोर्ट ने सशर्त अग्रिम जमानत दी थी, जिसमें यह शर्त भी थी कि वे कोर्ट की मंजूरी लिए बिना विदेश यात्रा नहीं करेंगे। गत दिनों उनके विदेश जाने पर सांवरमल नाम के व्यक्ति ने अदालत में प्रार्थना पत्र पेश कर उनके बिना अनुमति विदेश जाने को आधार बनाकर अग्रिम जमानत को रद्द करने की गुहार की है।

पंजाब में दलित ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

महबूबा मुफ्ती की पी.डी.पी. ने भी नैशनल कॉन्फ्रैंस कांग्रेस गठबंधन को समर्थन देने का फैसला किया है। फारुख अब्दुल्लाह ने कहा है कि भाजपा विरोधी हर पार्टी का समर्थन उन्हें स्वीकार्य है। घाटी के सभी दल भाजपा के साथ जाने की स्थिति में नहीं है। महबूबा मुफ्ती ने पिछली बार ऐसा किया था। अब वे राजनैकि रूप से खत्म होने के कगार पर हैं। भाजपा विधानसभा के गठबंधन से पहले ही विधानसभा में 5 सदस्य मनोनीत करना चाहती है। यह मामला कोर्ट में जा सकता है। वैसे यह स्पष्ट नहीं है कि क्या इन सदस्यों को मतदान का अधिकार होगा या नहीं। अगर इनका मनोनयन सरकार गठन के बाद हुआ तो और अगर भाजपा की सरकार नहीं बन तो क्या राज्यपाल भाजपा के 5 सदस्यों को मनोनीत कर सकते हैं? यह एक जटिल सवाल है जिसका जवाब दिया जाना चाहिए।

चामुण्डा...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बाड़े में सोमवार सुबह करीब 4 बजे पैंथर घुसा। गाय के दो बछड़ों को मार दिया।

पेपर लीक ''ईनामी'' आरोपी कोटा में गिरफ्तार

नाम बदलकर कोचिंग सैन्टर क्षेत्र में रह रही वर्षा विश्नोई पर 25 हजार का ईनाम है

कोटा, 7 अक्टूबर (निसं)। जोधपुर पुलिस ने कोटा पुलिस की मदद से पेपर लीक मामले की एक आरोपी को कोटा से गिरफ्तार किया है। जोधपुर के रेंज आई.जी. कार्यालय की साइक्लोनर टीम ने एस.आई. पेपर लीक मामले में लंबे समय से फरार चल रही 25 हजार की इनामी आरोपी वर्षा बिश्नोई को गिरफ्तार कर लिया है।

बताया जा रहा है कि एस.आई. पेपर लीक व अन्य परीक्षाओं में डमी अभ्यर्थी बनकर भर्ती परीक्षा में बैठने वाली वांटेड वर्षा बिश्नोई की तलाश चल रही थी। इस दौरान जानकारी मिली थी कि वह कोटा के कोचिंग इलाके में नाम बदल कर रह रही है। इस पर टीम कोटा पहुंची और वहां कई दिनों तक जांच करती रही। सोमवार को कोटा पुलिस की मदद से कोचिंग सेंटर क्षेत्र में पेइंग गेस्ट में तलाशी अभियान चलाया, जहां वर्षा विमला नाम से रुकी थी। उसने फर्जी आधार कार्ड बनाकर रखा था। एस.आई. पेपर लीक केस में साइक्लोनर टीम द्वारा ये छठी गिरफ्तारी है। इस ऑपरेशन का नाम ''डॉक्टर फिक्सिट'' रखा गया। आगे, आरोपी को एसओजी जयपुर को सुपुर्द कर दिया जाएगा। सांचौर निवासी आरोपी वर्षा बिश्नोई ने अपना फोन बंद कर परिवार से दूरी बना ली थी। सिर्फ कुछ एप्लीकेशन और इंटरनेट कॉलिंग के जरिए लोगों से संपर्क करती थी। यहीं से टीम को सुराग मिले। करीब तीन माह तक लगातार प्रयास के बाद सोमवार को आखिरकार उसे गिरफ्तार कर लिया गया। अब तक जोधपुर आई.जी. कार्यालय की साइक्लोन टीम ने छह आरोपियों को इस मामले में गिरफ्तार किया है। इसमें मास्टरमाइंड पौरव कालेर भी शामिल है, जिसे सीकर से पकड़ा गया था। इसके अलावा वृंदावन से शमी बिश्नोई, कोटा से वर्षा बिश्नोई, गंगानगर से शैतानाराम और हैदराबाद से सुनील और ओम प्रकाश ढाका को गिरफ्तार किया गया था।

- **एस.आई. तथा अन्य परीक्षाओं में डमी अभ्यार्थी बनकर परीक्षा देने वाली वर्षा कोटा में नाम बदल कर तथा फर्जी आधार कार्ड बना कर रह रही थी।**

'पत्रकार द्वारा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नेतृत्व में, उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय स्तर पर बहुत-से क्षेत्रों में अग्रणी हो गया है। चूँकि वे सांसारिक जीवन का परित्याग कर चुके हैं, इसलिए अब उनकी कोई जाति नहीं, वे एक सन्यासी मात्र हैं।

एडवोकेट अवस्थी ने अदालत में एफ.आई.आर. का कथ्य पढ़ कर सुनाया तथा कहा कि कोई अपराध ही समझने या कहने में नहीं आ रहा। उन्होंने आशंका व्यक्त की कि चूँकि संदर्भित लेख ''एक्स'' पर पोस्ट किया गया था, इसलिये और भी बहुत सारी एफ.आई.आर. दर्ज होने की सम्भावना है।

उपाध्याय ने कहा कि यह एफ.आई.आर. दर्ज किये जाने के अलावा, कि कार्यवाहक पुलिस महानिदेश को लिखी गई उस पोस्ट के जवाब में, उन्हें उत्तर प्रदेश पुलिस के सरकारी ''एक्स'' हैंडल की ओर से कानूनी कार्यवाही की धमकियाँ मिली हैं। उपाध्याय ने कहा कि उन्हें गिरफ्तार किए जाने तथा मुठभेड़ में मार दिए जाने तक की धमकियाँ लगातार मिल रही हैं।

याचिका में कहा गया है, ''हमारे संविधान में स्वस्थ एवं सहभागितापूर्ण लोकतन्त्र के लिए भाषण की स्वतन्त्रता सबसे मूल्यवान अधिकार है।''

अदालत ने उत्तर प्रदेश सरकार को नोटिस जारी कर दिया तथा केस की सुनवाई के लिये चार सप्ताह बाद की तारीख दे दी।

सी.बी.आई. ने चार्जशीट पेश की-ट्रेनी डाक्टर का गैंगरेप नहीं हुआ

कोलकाता, 07 अक्टूबर। कोलकाता के आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में ट्रेनी डॉक्टर से रेप-मर्डर केस में सी.बी.आई. ने पहली चार्जशीट दाखिल की है। इसमें जांच एजेंसी ने ट्रेनी डॉक्टर से गैंगरेप की आशंका को नकार दिया है। एजेंसी का कहना है कि वारदात को संजय रॉय ने अकेले अंजाम दिया था। करीब 100 गवाहों के बयानों और 12 पॉलीग्राफ टेस्ट करने के बाद सी.बी.आई. इस नतीजे पर पहुंची।

पुलिस ने संजय को घटना के अगले दिन 10 अगस्त को अरेस्ट किया था। 9 अगस्त की सुबह अस्पताल के सेमिनार हॉल में पीड़ित की अर्धनग्न डेडबॉडी मिली थी। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में बताया गया था कि विक्टिम की दोनों आखों, मुंह और प्राइवेट पार्ट से खून बह रहा था। गर्दन की हड्डी भी टूटी थी। हालांकि संजय अब तक खुद को बेगुनाह बता रहा है। संजय को पुलिस ने सी.सी.टी.वी. फुटेज से पहचाना था। फुटेज में वह 9 अगस्त की सुबह 4 बजे सेमिनार हॉल में अंदर जाता दिखाई दिया।

इस दौरान उसने कानों में इयरफोन लगाया हुआ था। करीब 40 मिनट बाद वह हॉल से बाहर निकला तो उसके पास इयरफोन नहीं था। पुलिस को क्राइम सीन पर एक ब्लूटूथ इयरफोन मिला था, जो उसके फोन से कनेक्ट हो गया था।

वहीं, इस घटना को लेकर पश्चिम बंगाल के कोलकाता में जूनियर डॉक्टर लगातार न्याय की गुहार लगा रहे हैं। 6 जूनियर डॉक्टरों ने 5 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू की। धर्मतला इलाके में डोरिना क्रॉसिंग पर जारी भूख हड़ताल का आज तीसरा दिन है।

- **पहली चार्जशीट में केवल संजय रॉय को आरोपी बनाया गया है।**

दिल्ली के फॉरैन...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

थी, में प्रकाश नंदा, निष्कासित महासचिव, को यह कहते सुना गया था कि इस बार हमारा सबसे बड़ा खर्चा यही है कि इस वर्ष हमें आई.ए.पी.सी. की मेजबानी करनी है। लोग विदेशों से आ रहे हैं। मोटे तौर पर तीन लाख रु. की जरुरत पड़ेगी। हमें आपकी मंजूरी चाहिए, हम इसमें कमी करने की कोशिश कर सकते है, पर हमें इसके लिए तैयार रहना है। हरेक क्लब 300 डॉलर देगा। पर मुझे लगता है कि यह तीन -चार माह बाद होगा और सुनियोजित है। एक अन्य क्लिप में नंदा कहते सुने गए कि ऑडिट मंजूर हो चुकी है। लेकिन निर्णय लेने के थोड़ी देर बाद एक सदस्य ने दावा किया कि कुछ सदस्यों ने आपत्ति की थी और कहा था कि एफ.सी.सी. बहुत खर्चा कर रही है। फिर 4 अक्टूबर को आपातकालीन बैठक बुलाई गई।

उक्त सदस्य ने कहा कि कुछ लोग सुर्खियों में आना चाहते थे। उन्हें लगा कि विदेशी आ रहे हैं, तो बड़ा पैसा खर्च होगा उन लोगों ने इस बात पर झगड़ा किया कि उस कार्यक्रम का आयोजन किसके हाथ में होगा। पदाधिकारियों कोर्ट में जाने का निर्णय लिया है। उक्त सदस्य ने कहा कि इसका असर एफ.सी.सी. पर नहीं पड़ेगा। मैं यह नहीं बताऊंगा कि वे क्या करेंगे, पर वे जो भी करेंगे, क्लब का सामान्य कामकाज बहाल करने के लिए करेंगे।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 **अजमेर कार्यालय:** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908